www.dainikjayantnews.com
कोटद्वार, गुरूवार
30 जुलाई 2026
वर्ष: 49
अंक: 90 पृष्ठ: 6
मूल्य: 2.00

# जयन्त

निर्भीक – निष्पक्ष – जनसरोकार

www.dainikjayantnews.com
स्थापित 1979
संस्थापक : स्व. नरेन्द्र उनियाल

डाक पंजीयन पी.ए.ओ.07-2024-26 फोन: 9412081969 email: nagendra.uniyal@gmail.com

# तमिलनाडु के मीनाक्षी मंदिर की 60 करोड़ रुपए की जमीन हड़पी

● फर्जी दस्तावेजों के जरिए किया कब्जा, 19 लोगों पर एफआईआर

**चेन्नई (एजेंसी)।** तमिलनाडु के मदुरै के प्रसिद्ध मीनाक्षी मंदिर से जुड़ी एक चैरिटेबल ट्रस्ट की 1.79 एकड़ जमीन को फर्जी तरीके से हड़पने का मामला सामने आया है। इस जमीन की कीमत करीब 60 करोड़ रुपए बताई जा रही है। मदुरै सिटी सेंट्रल क्राइम ब्रांच ने इस मामले में 19 लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की है। आरोप है कि आरोपियों ने जमीन के फर्जी ट्रांसफर आदि बनवा लिए हैं।

● **तहसीलदार पर लगा जमीन हड़पने का आरोप–** मामले में आरोप है कि 24 जून 2016 को तत्कालीन मदुरै उत्तर तहसीलदार अनबझगन ने सरकारी रिकॉर्ड से मंदिर का मालिकाना हक हटा दिया। उन्होंने अवैध रूप से जमीन का पट्टा 9 लोगों के नाम ट्रांसफर कर दिया था। राजस्व संभागीय अधिकारी ने तहसीलदार के आदेश को रद्द कर दिया। जमीन को मंदिर ट्रस्ट की संपत्ति बताते हुए पट्टा वापस मंदिर के नाम करने का निर्देश दिया। इस मामले में मद्रास हाईकोर्ट की मदुरै बेंच में भी केस चल रहा है, जिसने अंतरिम रोक लगा रखी है।

● **कोर्ट के आदेश के बावजूद मॉर्गेज डीड बनाई–** एफआईआर में आरोप है कि कोर्ट के आदेश के बावजूद 16 अप्रैल 2021 को थूथुकुडी जिले के मुराप्पनडु सब-रजिस्ट्रार कार्यालय में तत्कालीन सब-रजिस्ट्रार अनंतरामन की मदद से जनरल पावर ऑफ अटॉर्नी रजिस्टर कराई गई।

# प्रधानमंत्री और सुरक्षाबलों को गाली देने वाले बचेंगे नहीं

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** कॉकरोच जनता पार्टी के प्रोटेस्ट के दौरान सोशल मीडिया पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और सुरक्षाबलों को गाली-गलौज देने वाले लोगों के खिलाफ दिल्ली पुलिस ने ऐक्शन शुरू कर दिया है। दरअसल, दिल्ली पुलिस पीएम और सुरक्षाबलों को गाली-गलौज देने वाले सोशल मीडिया हैंडलों को नोटिस जारी कर रही है। इस मामले में दिल्ली पुलिस ने एक एफआईआर दर्ज की है जिसके आधार पर एक्स से भी उन सोशल मीडिया अकाउंट की जानकारी मांगी गई है जिन्होंने सीजेपी प्रोटेस्ट के दौरान पीएम और सुरक्षाबलों के खिलाफ अभद्र भाषा का इस्तेमाल किया था। एक्सप्रेस के मुताबिक, एफआईआर इस शिकायत पर दर्ज की गई कि सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर संवैधानिक प्रमुखों को टारगेट करके गलत,दुर्भावनापूर्ण और बदनाम करने वाला कंटेंट शेयर किया जा रहा है। दिल्ली पुलिस ने एक्ससे कहा है कि वह प्लेटफॉर्म से कथित पोस्ट या वीडियो तुरंत डिलीट कर दे।

# संग्रह अमीन और वरिष्ठ सहायक रिश्वत लेते रंगे हाथ गिरफ्तार

देहरादून।उत्तराखंड में भ्रष्टाचार के खिलाफ सतर्कता अधिष्ठान (विजिलेंस) की कार्रवाई लगातार तेज होती जा रही है। बुधवार को ऊधमसिंहनगर जिले की तहसील सितारगंज में विजिलेंस टीम ने बड़ी ट्रैप कार्रवाई करते हुए संग्रह अमीन और वरिष्ठ सहायक को रिश्वत लेते हुए रंगे हाथ गिरफ्तार कर लिया। कार्रवाई के बाद तहसील परिसर में हड़कंप मच गया। जानकारी के अनुसार शिकायतकर्ता ने सतर्कता अधिष्ठान से शिकायत दर्ज कराई थी कि उसकी भूमि पर लगी कुर्की समाप्त करने, जमीन को बंधनमुक्त कराने तथा उसकी पत्नी के किसान क्रेडिट कार्ड लोन पर जारी रिकवरी सर्टिफिकेट की कार्रवाई खत्म करने के बदले तहसील के दो कर्मचारी रिश्वत की मांग कर रहे हैं।

शिकायत में आरोप लगाया गया कि संग्रह अमीन मदन लाल शर्मा ने 10,000 और वरिष्ठ सहायक भूपेंद्र सिंह राणा ने 6,000 रिश्वत की मांग की थी। शिकायत मिलने के बाद सतर्कता अधिष्ठान ने मामले का गोपनीय सत्यापन कराया, जिसमें आरोप प्रथम दृष्टया सही पाए गए। इसके बाद पुलिस अधीक्षक, सतर्कता अधिष्ठान सेक्टर हल्द्वानी के निर्देशन में निरीक्षक के नेतृत्व में एक विशेष ट्रैप टीम का गठन किया गया। बुधवार, 29 जुलाई 2026 को टीम ने योजनाबद्ध तरीके से कार्रवाई करते हुए तहसील सितारगंज कार्यालय में जाल बिछाया। कार्रवाई के दौरान विजिलेंस टीम ने संग्रह अमीन मदन लाल शर्मा को शिकायतकर्ता से 8,000 रिश्वत लेते हुए तथा वरिष्ठ सहायक भूपेंद्र सिंह राणा को 6,000 रिश्वत लेते हुए रंगे हाथ गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तारी के बाद दोनों आरोपियों को हिरासत में लेकर आगे की कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी गई।

## संक्षिप्त समाचार

### अमृतपाल सिंह की रिहाई को लेकर चंड़ीगढ़ में बवाल

#### वारिस पंजाब दे के नेता-कार्यकर्ताओं पर पुलिस ने चलाई वॉटर कैनन

**चंडीगढ़ (एजेंसी)।** दिल्ली में संसद के मॉनसून सत्र के बीच वारिस पंजाब दे के नेताओं और कार्यकर्ताओं ने सांसद अमृतपाल सिंह की रिहाई को लेकर चंडीगढ़ में बुधवार को प्रोटेस्ट किया। पुलिस ने वारिस पंजाब दे के नेताओं और कार्यकर्ताओं को तितर-बितर करने के लिए वॉटर कैनन का

इस्तेमाल किया। हालांकि इस दौरान कार्यकर्ताओं और नेताओं की पुलिस से झड़प हुई। कार्यकर्ता वॉटर कैनन की गाड़ी पर चढ़ गए। इसके बाद कार्यकर्ता बेरीकेडिंग को पार करके आगे बढ़ गए। वारिस पंजाब दे के नेताओं और कार्यकर्ताओं की मांग थी कि सांसद अमृतपाल सिंह और अन्य सिख नेताओं की रिहा किया जाए। गौरतलब हो कि अमृतपाल सिंह वर्तमान में असम की डिब्रूगढ़ सेंट्रल जेल में बंद हैं। उन्हें अजनाला थाने पर हमले, राष्ट्रीय सुरक्षा अधिनियम (एनएसए) के उल्लंघन, और कई अन्य आपराधिक मामलों के तहत गिरफ्तार किया गया था। अमृतपाल सिंह की 23 अप्रैल 2023 को पंजाब के मोगा जिले के रोडे गांव से गिरफ्तारी हुई थी।

### यूक्रेन में जहाज के पास हमले में 13 भारतीय फंसे

#### 15 क्रू मेंबर सवार थे, लगातार ड्रोन और मिसाइलों से अटैक हो रहे

कीव (एजेंसी)। यूक्रेन में चोर्नोमोर्स्क बंदरगाह पर जहाज के पास हमले में 13 भारतीय फंस गए हैं। 'एमवी अमीर 1' नाम का जहाज लगातार हो रहे ड्रोन और मिसाइल हमलों के बीच फंस गया है। इसके बाद इंडियन सीमेन यूनियन ने इस मामले में तुरंत मदद की अपील की है। यूनियन के मुताबिक, जहाज पर कुल 15 क्रू मेंबर सवार थे, जिनमें 13 भारतीय नाविक शामिल हैं। जहाज बेहद खतरनाक

हालात में फंसा हुआ है। उसके आसपास लगातार ड्रोन और मिसाइल हमलों की कोशिश हो रही है, जिससे चालक दल के सदस्य हर पल सीधे हमले की आशंका में जी रहे हैं। यूनियन ने भारत सरकार, जहाज के मालिक, फ्लैग स्टेट और सभी संबंधित अधिकारियों से अपील की है कि नाविकों की सुरक्षा तुरंत सुनिश्चित की जाए और उन्हें जल्द से जल्द सुरक्षित भारत वापस लाया जाए। यूनियन ने कहा कि भारतीय नाविकों को युद्ध वाले इलाके में निशाना बनने के लिए नहीं छोड़ा जाना चाहिए।

# घाटी में आतंकियों की साजिश नाकाम

## सुरक्षाबलों के ज्वाइंट ऑपरेशन में बरामद हुआ हथियारों का जखीरा

श्रीनगर (एजेंसी)। दक्षिण कश्मीर के कुलगाम जिले से बुधवार को एक बड़ी खबर सामने आई है, जहां सुरक्षा बलों ने एक बड़ी आतंकी साजिश को नाकाम कर दिया है। जिले के तांत्रेपोरा-सुरसनू के घने बाग वाले इलाके में चलाए गए संयुक्त तलाशी अभियान के दौरान सुरक्षा बलों ने हथियारों और गोला-बारूद का एक बड़ा जखीरा बरामद किया है। इस बरामदगी के बाद पूरे इलाके में सुरक्षा व्यवस्था और कड़ी कर दी गई है। सूत्रों के मुताबिक इस पूरे ऑपरेशन की कहानी शुरू हुई एक सटीक खुफिया सूचना से। जम्मू-कश्मीर पुलिस को अपने सोर्स से जानकारी मिली थी कि तांत्रेपोरा-सुरसनू के बाग वाले क्षेत्र में कुछ संदिग्ध सामग्री छिपाई गई है। इस इनपुट को बेहद गंभीरता से लेते हुए तुरंत एक ज्वाइंट ऑपरेशन प्लान तैयार किया गया। इस सूचना के आधार पर कुलगाम पुलिस, भारतीय सेना की 34 राष्ट्रीय राइफल्स (34 आर) और केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) की 18वीं बटालियन ने मिलकर इलाके को घेरने की रणनीति बनाई।

### बाग के चप्पे-चप्पे में चला सर्च ऑपरेशन

बुधवार सुबह से ही सुरक्षा बलों की संयुक्त टीम ने तांत्रेपोरा-सुरसनू के बाग क्षेत्र में तलाशी अभियान शुरू कर दिया। बाग की आड़ में छिपाए गए हथियारों को ढूंढना आसान नहीं था, लेकिन जवानों ने पूरे इलाके की घेराबंदी कर एक-एक जगह को बारीकी से खंगाला। कई घंटों तक चले इस सघन सर्च ऑपरेशन के बाद आखिरकार जवानों को वह कामयाबी मिली जिसका इंतजार था। बाग के अंदर एक जगह से हथियारों और गोला-बारूद का बड़ा जखीरा बरामद हुआ। बताया जा रहा है कि आतंकियों ने आने वाले दिनों में किसी बड़ी वारदात को अंजाम देने के लिए इस जखीरे को यहां छिपा कर रखा था। सुरक्षा बलों ने बरामद किए गए सभी हथियारों और गोला-बारूद को तुरंत अपने कब्जे में लेकर जब्त कर लिया है। बरामद हथियारों में दो पिस्तौल, दो राइफल, 7 ग्रेनेड आदि शामिल हैं। सूत्रों ने बताया कि,बरामद सामग्री को कब्जे में लेकर जब्त कर लिया गया है,मामले की आगे की जांच शुरू कर दी है।

# हंगामे के बीच एंटी पेपर लीक बिल लोकसभा से हुआ पास

## राहुल की 50 मिनट की स्पीच, संसद में जमकर हंगामा

## 'इडियट' शब्द बोलने पर स्पीकर बिरला ने 11 बार टोका

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** लोकसभा में पेपर लीक से जुड़ा पब्लिक एग्जामिनेशन (अनुचित साधनों की रोकथाम) संशोधन विधेयक, 2026 बुधवार को विपक्ष के हंगामे के बीच ध्वनि मत से पास हो गया। वहीं राज्यसभा में वंदे मातरम् के अपमान को दंडनीय अपराध बनाने वाला विधेयक पास हो गया। इससे पहले विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने पेपर लीक से जुड़े बिल पर 50 मिनट स्पीच दी। उन्होंने इडियट और अंधभक्त जैसे शब्द बोले।

**रिजिजू ने 7 बार टोका, कहा- माफी मांगें–** विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने पेपर लीक से जुड़े बिल पर 50 मिनट स्पीच दी। उन्होंने इडियट और अंधभक्त जैसे शब्द बोले। फिर कहा कि गृहमंत्री ने दिल्ली में छात्रों पर फायरिंग के आदेश दिए। इसको लेकर सत्तापक्ष ने जमकर हंगामा किया। संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने 7 बार खड़े होकर राहुल को टोका और संसदीय नियम का हवाला दिया। उन्होंने कहा कि नेता प्रतिपक्ष को माफी मांगनी चाहिए। इस पर राहुल ने कहा, 'अगर आप चाहते हैं कि देश में सिर्फ बीजेपी बोले तो मैं चुप होकर बैठ जाता हूं।' स्पीकर ओम बिरला ने भी टोका।

# किसानों का अर्धनग्न प्रदर्शन, बैरिकेड तोड़ बसों पर चढ़े

● सड़क पर दाल-बाटी बनाई, सद्बुद्धि यज्ञ भी किया, सीएम हाउस के रास्ते पर कड़ी सुरक्षा

**भोपाल (एजेंसी)।** मूंग खरीदी, ई-टोकन सिस्टम समेत अन्य मांगों को लेकर भोपाल में किसानों का प्रदर्शन तीसरे दिन भी जारी है। सीएम हाउस की ओर बढ़ने की कोशिश कर रहे किसानों को एम्प्री के पास वीर सावरकर सेतु पर पुलिस ने रोक दिया। बसों की चार लेयर में बैरिकेडिंग की गई है। कुछ किसान पहले बैरिकेडिंग पर चढ़ गए थे, जिन्हें पुलिस ने समझाइश देकर नीचे उतार दिया। इसके बाद किसान वहीं बैठकर सरकार के खिलाफ नारेबाजी कर रहे हैं। प्रदर्शन स्थल पर कुछ किसान अर्धनग्न होकर विरोध जता रहे हैं और सरकार से एमएसपी की कानूनी गारंटी समेत अन्य मांगें पूरी करने की मांग कर रहे हैं। वहीं, कुछ किसान रातभर जागने के बाद आराम करते नजर आए। दाल-बाटी बनाकर सड़क पर ही लंच का इंतजाम किया। किसानों के समर्थन में जेन जेड भी प्रदर्शन में शामिल हैं।

● **सीएम बोले- मंत्रियों का दल किसानों से बातचीत करेगा–** मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि किसानों से जुड़े मुद्दों पर संवाद के लिए सरकार ने एक कमेटी बनाई है। कमेटी में शामिल मंत्रियों का दल किसानों से बातचीत करेगा। उन्होंने कहा कि सरकार किसानों के सकारात्मक सुझावों के साथ है, लेकिन आम जनता को परेशानी न हो, इसका भी ध्यान रखा जाना चाहिए। भोपाल में किसानों के धरना-प्रदर्शन के चलते नर्मदापुरम रोड पर यातायात प्रभावित हो गया है। ट्रैफिक पुलिस के अनुसार 28 जुलाई शाम 6 बजे से आरआरएल तिराहा ब्रिज के उतार पर किसान आंदोलन जारी है, जिससे इस मार्ग पर वाहनों का सीधा आवागमन संभव नहीं है। लोगों की सुविधा के लिए वैकल्पिक रूट तय किए गए हैं। नर्मदापुरम जाने वाले वाहन कोलार गेस्ट हाउस तिराहा, 6-लेन रोड, होली क्रॉस स्कूल तिराहा, अमरावत कला और मंडीदीप होकर जा सकते हैं। मंडीदीप से भोपाल आने वाले वाहन 11 मील बायपास, नंदी चौराहा, खजूरी कला, एसओएस रोड, पिपलानी और बोर्ड ऑफिस मार्ग का उपयोग करें। मिसरोद, कोलार, चूनाभट्टी, बागमुगालिया और एम्स क्षेत्र के लिए भी वैकल्पिक मार्ग तय किए गए हैं। वहीं आईएसबीटी से नर्मदापुरम, बैतूल और जबलपुर जाने वाली बसों को बायपास मार्ग से संचालित किया जा रहा है। यात्रियों से घर से निकलने से पहले ट्रैफिक डायवर्जन का ध्यान रखने की अपील की गई है।

# उत्तराखंड में भारी बारिश, चार धाम यात्रा रुकी

● छत्तीसगढ़ में बिजली गिरने से 5 की मौत, राजस्थान में बाजारों में पानी भरा

नई दिल्ली (एजेंसी)। देशभर में तेज बारिश का दौर जारी है। उत्तराखंड में भारी बारिश और लैंडस्लाइड के बाद चार धाम यात्रा 2 दिन के लिए रोक दी गई है। चंपावत, बागेश्वर और टिहरी में 12वीं तक के स्कूल-आंगनवाड़ी में छुट्टी कर दी गई है। राजस्थान के धौलपुर में तेज बारिश से बाजारों में पानी भर गया। गुजरात में भारी बारिश और बाढ़ से टाटा मोटर्स के साणंद प्लांट और आसपास मौजूद कई सप्लायर की यूनिट बंद करानी पड़ीं। छत्तीसगढ़ में बिजली गिरने की तीन घटनाओं में 5 लोगों की मौत हो गई, जबकि 11 लोग घायल हुए हैं। राज्य में अगले दो दिन भारी बारिश की चेतावनी है।

**देश के ऊपर दो सिस्टम करा रहे जोरदार बारिश–** देश के ऊपर दो सिस्टम मौजूद हैं। बंगाल की खाड़ी में बना कम दबाव का क्षेत्र ओडिशा, झारखंड और छत्तीसगढ़ होते हुए आगे बढ़ रहा है। आईएमडी ने 4-5 दिनों में उत्तर-पश्चिम और मध्य भारत में सामान्य से ज्यादा और पूर्वी भारत में भारी बारिश की चेतावनी दी है। दिल्ली में मंगलवार को 50 मिमी से ज्यादा बारिश हुई। मौसम विभाग (आईएमडी) के मुताबिक 4 मानसूनी सिस्टम ने ये बारिश कराई।

● **तीन घटनाओं में 5 लोगों की मौत–** प्रदेश में बिजली गिरने की तीन घटनाओं में 5 लोगों की मौत हो गई, जबकि 11 लोग घायल हुए हैं। वहीं सारंगढ़ में नाले में बही कार में सवार पूर्व सरपंच और उनकी पत्नी का 60 घंटे बाद भी कोई सुराग नहीं मिला है। रेस्क्यू अभियान लगातार जारी है। असम में बाढ़ से मरने वालों की संख्या बढ़कर 75 हो गई है। राज्य के 7 जिले अब भी बाढ़ की चपेट में हैं, जहां 3.32 लाख से ज्यादा लोग प्रभावित हैं और 45 हजार हेक्टेयर से अधिक फसल पानी में डूबी हुई है। मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने बाढ़ में जान गंवाने वालों के परिवारों को 9 लाख रुपए की सहायता देने का ऐलान किया है। इसके अलावा परिवारों को मदद मिलेगी।

# नीतिश के वीडियो को एआई बताने पर भड़की जेडीयू

## नीरज कुमार ने पीके के खिलाफ दर्ज कराई शिकायत

**पटना (एजेंसी)।** बांकीपुर विधानसभा उपचुनाव के दौरान पूर्व मुख्यमंत्री नीतिश कुमार के एक वीडियो को लेकर बिहार की राजनीति में भूचाल आ गया है। इस वीडियो को जन सुराज पार्टी के सूत्रधार प्रशांत किशोर ने फर्जी और एआई जेनरेटेड बताया था। इसके बाद जनता दल (यूनाइटेड) पूरी तरह आक्रामक हो गई है। जेडीयू के मुख्य प्रवक्ता और विधान पार्षद नीरज कुमार ने प्रशांत किशोर के इस दावे को भ्रामक और साजिश करार देते हुए पटना के शास्त्री नगर थाने में उनके खिलाफ शिकायत दर्ज कराई है। जेडीयू ने पुलिस से मामले की निष्पक्ष जांच कर कड़ी कानूनी कार्रवाई करने की मांग की है। बांकीपुर सीट पर उपचुनाव के मद्देनजर एनडीए प्रत्याशी के समर्थन में मुख्यमंत्री नीतिश कुमार का एक चुनावी अपील वीडियो जारी किया गया था। इस वीडियो में वे जनता से मतदान करने की अपील कर रहे हैं। प्रशांत किशोर ने दावा किया था कि यह वीडियो असली नहीं है, बल्कि इसे एआई तकनीक का इस्तेमाल करके फर्जी तरीके से बनाया गया है।

# सिंगल-यूज प्लास्टिक के विरुद्ध जनभागीदारी से चलाना होगा प्रभावी अभियान : धामी

**जयन्त प्रतिनिधि। देहरादून :** मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि सिंगल-यूज प्लास्टिक पर प्रतिबंध का प्रभावी क्रियान्वयन केवल सरकारी प्रयासों से संभव नहीं है। इसके लिए जनभागीदारी, जन-जागरूकता तथा प्रत्येक नागरिक के सक्रिय सहयोग की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि सिंगल-यूज प्लास्टिक के विरुद्ध अभियान को जन-आंदोलन का स्वरूप देकर उत्तराखंड को सिंगल-यूज प्लास्टिक मुक्त राज्य बनाने के संकल्प को साकार करना होगा।

मुख्यमंत्री ने बुधवार को विश्व बाघ दिवस के अवसर पर जाखन स्थित एक होटल में आयोजित ह्यएकल उपयोग प्लास्टिक प्रतिबंध के प्रभावी क्रियान्वयन एवं प्रवर्तनह्व विषय पर आयोजित राज्य स्तरीय परामर्श कार्यशाला में प्रतिभाग किया। इस अवसर पर उन्होंने बाघ संरक्षण पर आधारित चित्र एवं पोस्टकार्ड का विमोचन किया। मुख्यमंत्री ने मानव-

वन्यजीव संघर्ष में साहसिक कदम उठाने तथा वन्यजीव संरक्षण के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान देने वाले लोगों को सम्मानित भी किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि विश्व बाघ दिवस के अवसर पर इस विषय पर आयोजित कार्यशाला अत्यंत सार्थक है। यह आयोजन केवल एक कार्यशाला नहीं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के लिए स्वच्छ, सुरक्षित और हरित भविष्य सुनिश्चित करने का सामूहिक संकल्प है। कहा कि बाघ केवल एक वन्यजीव नहीं, बल्कि हमारी समृद्ध जैव विविधता और संतुलित पारिस्थितिकी तंत्र का प्रतीक है। यदि हमारे जंगल सुरक्षित रहेंगे, तो बाघ सुरक्षित रहेंगे और प्रकृति का संतुलन भी सुरक्षित रहेगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि भारतीय संस्कृति में प्रकृति को माता का स्वरूप माना गया है। देवभूमि उत्तराखंड अपनी समृद्ध जैव विविधता, वन संपदा और वन्यजीव संरक्षण के लिए देशभर में विशिष्ट पहचान रखता है। कॉर्बेट टाइगर रिजर्व और राजाजी टाइगर रिजर्व सहित प्रदेश के वन क्षेत्र इस विरासत के सशक्त प्रतीक हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि सिंगल-यूज प्लास्टिक पर्यावरण, नदियों, मिट्टी, जल स्रोतों और वन्यजीवों के लिए गंभीर खतरा बन चुका है। वन क्षेत्रों में छोड़ा गया प्लास्टिक अनेक बार वन्यजीवों के भोजन में मिल जाता है, जिससे उनके स्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है। उन्होंने कहा कि जंगलों, नदियों और वन्यजीवों की सुरक्षा के लिए सिंगल-यूज प्लास्टिक के विरुद्ध प्रभावी और निर्णायक अभियान चलाना समय की आवश्यकता है।

# मानसून आपदा पर गढ़वाल आयुक्त सख्त

देहरादून।मानसून के दौरान गढ़वाल मंडल में बढ़ते आपदा जोखिम को देखते हुए गढ़वाल आयुक्त आनंद स्वरूप ने बुधवार को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से मंडल के सभी जिलाधिकारियों एवं वरिष्ठ अधिकारियों के साथ आपदा प्रबंधन, राहत एवं बचाव कार्यों की विस्तृत समीक्षा की। बैठक में उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिए कि वर्षा से प्रभावित क्षेत्रों में राहत एवं बचाव कार्यों में किसी भी प्रकार की ढिलाई न बरती जाए तथा अवरुद्ध मोटर मार्गों को युद्धस्तर पर प्राथमिकता के आधार पर खोला जाए, ताकि आम जनता और राहत एजेंसियों की आवाजाही सुचारू बनी रहे। आयुक्त ने जिलाधिकारियों को निर्देशित किया कि आपदा से सरकारी एवं निजी संपत्तियों को हुए नुकसान का तत्काल सर्वे कराया जाए। साथ ही जनहानि एवं पशुहानि की घटनाओं में प्रभावित परिवारों को नियमानुसार मिलने वाली अहैतुक सहायता राशि निर्धारित समय सीमा के भीतर उपलब्ध कराई जाए। उन्होंने सभी विभागों को 24 घंटे अलर्ट मोड पर रहने और किसी भी आपात स्थिति में त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने विशेष रूप से नदी, नालों और गाड़–गदेरों के किनारे रहने वाले लोगों की सुरक्षा पर जोर देते हुए कहा कि खतरे की स्थिति बनने पर उन्हें तुरंत सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया जाए तथा उनके भोजन, आवास और अन्य आवश्यक सुविधाओं की समुचित व्यवस्था की जाए।

## एक नजर

### गहरी खाई में गिरी कार, 24 वर्षीय युवक की मौत

देहरादून। देहरादून जनपद के चकराता क्षेत्र में बुधवार सुबह एक दर्दनाक सड़क हादसे में 24 वर्षीय युवक की जान चली गई। तेज रफ्तार कार के अनियंत्रित होकर गहरी खाई में गिरने से युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। स्थानीय ग्रामीणों ने तत्काल रेस्क्यू कर उसे अस्पताल पहुंचाया, लेकिन चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। हादसे के बाद पूरे क्षेत्र में शोक की लहर दौड़ गई।

**घर से निकला, लेकिन वापस नहीं लौटा**

प्राप्त जानकारी के अनुसार चकराता तहसील के दुनुवा गांव निवासी 24 वर्षीय जगमोहन बुधवार सुबह करीब 7 बजे अपनी कार (वङ11अ6727) से सहिया की ओर जा रहे थे। दुनुवा–मलेथा मोटर मार्ग पर गांव से कुछ दूरी आगे अचानक कार अनियंत्रित हो गई और सड़क से फिसलकर सैकड़ों फीट गहरी खाई में जा गिरी। खाई में गिरने के बाद वाहन नीचे दूसरी सड़क पर जाकर पलट गया। हादसे के समय कार में जगमोहन अकेले सवार थे।

**ग्रामीणों ने दिखाई मानवता**

हादसे की आवाज सुनकर आसपास के ग्रामीण और राहगीर तुरंत मौके पर पहुंचे। विजय सिंह तोमर, प्रेम सिंह तोमर, रितेश, धरमू, सुखिया, संजय और रमेश सहित कई लोगों ने मिलकर रेस्क्यू अभियान चलाया। कड़ी मशक्कत के बाद घायल युवक को खाई से बाहर निकालकर निजी वाहन से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) सहिया पहुंचाया गया।

### जल जीवन मिशन की शिकायतों की सीडीओ ने की जांच

पुरोला। मोरी विकासखंड के आराकोट क्षेत्र स्थित जागटा गांव में जल जीवन मिशन के कार्यों में अनियमितताओं की शिकायत पर मुख्य विकास अधिकारी जयभारत सिंह के नेतृत्व में गठित जांच समिति ने स्थलीय निरीक्षण कर निर्माण कार्यों और अभिलेखों का सत्यापन किया। जांच में पाया गया कि गांव में पाइपलाइन बिछाई गई है लेकिन नए पेयजल टैंक अभी तक निर्मित नहीं हुए हैं। फिलहाल पुरानी टंकियों से ही जलापूर्ति की जा रही है। कई स्थानों पर पाइपलाइन का कार्य भी अधूरा मिला।

निरीक्षण के दौरान समिति ने ग्रामीणों की पेयजल, सड़क और उद्यान संबंधी समस्याएं भी सुनीं। संबंधित अधिकारियों को आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए। क्षेत्र के मनमोहन चौहान ने जागटा, कुराली और कसाली तोक में अधिक भुगतान, पुरानी टंकियों से नई लाइन जोड़ने और पेयजल आपूर्ति में आ रही दिक्कतों की शिकायत की थी।

### रुद्रेश्वर व भदेश्वर महाराज की देव डोलियों का हुआ मिलन

नौगांव (उत्तरकाशी)। रवांई घाटी के देवलसारी गांव में वर्षों बाद रुद्रेश्वर महादेव और भदेश्वर महाराज की देव डोलियों का मिलन हुआ। श्रद्धालुओं ने देव डोलियों को एक साथ हारुल और तांदी नृत्य किया।

सुबह रुद्रेश्वर महादेव के देव माली अमित नौटियाल के आवास पर दोनों देव डोलियों का मिलन हुआ जिसके दर्शन के लिए बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंचे। श्रद्धालुओं ने एक साथ दोनों देव डोलियों के दर्शन कर सुख–समृद्धि की कामना की। देव डोलियों के पारंपरिक नृत्य के साथ हारुल और तांदी नृत्य की मनमोहक प्रस्तुतियों ने पूरे वातावरण को भक्तिमय बना दिया था। रुद्रेश्वर महादेव रवांई घाटी के 65 गांवों के आराध्य हैं।

### बड़ी जात की तैयारियां तेज, विभागों को किया अलर्ट

गोपेश्वर। चमोली जिला प्रशासन आगामी सितंबर माह में होने वाली मां नंदा की बड़ी जात के आयोजन की तैयारियों में जुट गया है। उत्तराखंड पर्यटन विकास परिषद ने जात के सफल संचालन के लिए चमोली जिला प्रशासन को व्यवस्थाएं समय रहते सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। नंदा देवी की बड़ी जात 5 से 30 सितंबर तक होगी। शासन–प्रशासन स्तर पर इसकी तैयारियां चल रही हैं।

# देहरादून में हर घर तिरंगा अभियान को लेकर प्रशासन सक्रिय

देहरादून। स्वतंत्रता दिवस के उपलक्ष्य में आयोजित किए जाने वाले ह्यहर घर तिरंगाह्न अभियान को सफल बनाने के लिए देहरादून जिला प्रशासन ने तैयारियां तेज कर दी हैं। बुधवार को विकास भवन सभागार में मुख्य विकास अधिकारी अभिनव शाह की अध्यक्षता में समीक्षा बैठक आयोजित की गई, जिसमें अभियान को जन–जन तक पहुंचाने और व्यापक जनभागीदारी सुनिश्चित करने के लिए विभिन्न विभागों को आवश्यक दिशा–निर्देश दिए गए। मुख्य विकास अधिकारी अभिनव शाह ने कहा कि ह्यहर घर तिरंगाह्न केवल एक सरकारी कार्यक्रम नहीं, बल्कि राष्ट्रभक्ति, राष्ट्रीय एकता और तिरंगे के सम्मान को जन–जन तक पहुंचाने वाला जनआंदोलन है। इसका उद्देश्य प्रत्येक नागरिक, प्रत्येक परिवार और प्रत्येक समुदाय को स्वतंत्रता दिवस के राष्ट्रीय उत्सव से जोड़ना है तथा नई पीढ़ी को स्वतंत्रता संग्राम के आदर्शों और राष्ट्र निर्माण की भावना से परिचित कराना है।

**ब्लॉक और विधानसभा स्तर पर होंगी तिरंगा यात्राएं**

बैठक में निर्णय लिया गया कि जिले के सभी ब्लॉक एवं विधानसभा स्तर पर तिरंगा यात्राएं

और साइकिल रैलियां आयोजित की जाएंगी। मुख्य विकास अधिकारी ने संबंधित उप जिलाधिकारियों (एसडीएम) और खंड विकास अधिकारियों (बीडीओ) को निर्देश दिए कि इन आयोजनों में युवाओं, विद्यार्थियों, स्वयंसेवी संगठनों, महिला समूहों और स्थानीय नागरिकों की अधिकतम भागीदारी सुनिश्चित की जाए।

**शहर से गांव तक चलेगा जनजागरूकता अभियान**

प्रशासन ने नगर निगम को शहरी क्षेत्रों तथा ग्राम विकास विभाग को ग्रामीण क्षेत्रों में अभियान को व्यापक रूप से संचालित करने के निर्देश दिए हैं। इसके तहत सार्वजनिक स्थलों, पार्कों, मॉल, प्रमुख चौराहों और अन्य महत्वपूर्ण स्थानों पर प्रदर्शनी, सांस्कृतिक कार्यक्रम और जनजागरूकता गतिविधियां आयोजित की जाएंगी। इन कार्यक्रमों के माध्यम से लोगों को राष्ट्रीय ध्वज के सम्मान, उसके महत्व और स्वतंत्रता संग्राम के मूल्यों से जोड़ने का प्रयास किया जाएगा।

पोर्टल पर अपलोड होगी हर गतिविधि

मुख्य विकास अधिकारी ने सभी विभागों को निर्देशित किया कि हर घर तिरंगा अभियान के अंतर्गत आयोजित प्रत्येक कार्यक्रम, गतिविधि और आयोजन का विवरण तथा फोटोग्राफ निर्धारित समय सीमा के भीतर हर घर तिरंगा पोर्टल पर अनिवार्य रूप से अपलोड किए जाएं, ताकि अभियान की प्रभावी मॉनिटरिंग और प्रगति का मूल्यांकन किया जा सके।

**विभागवार जिम्मेदारियों पर हुई चर्चा**

बैठक में अभियान की रूपरेखा, विभागवार जिम्मेदारियों और कार्यक्रमों के सफल क्रियान्वयन को लेकर विस्तृत चर्चा की गई। अधिकारियों को समयबद्ध और समन्वित ढंग से कार्य करने के निर्देश दिए गए।

बैठक में जिला विकास अधिकारी सुनील कुमार, मुख्य शिक्षा अधिकारी श्री जायसवाल, जिला शिक्षा अधिकारी प्रेमलाल भारती, जिला पर्यटन विकास अधिकारी यशपाल चौहान, महाप्रबंधक जिला उद्योग केंद्र बीना बोरा सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

### नगर पालिका में लावारिस पशुओं की दहशत

बड़कोट। नगर पालिका क्षेत्र में निराश्रित पशु की बढ़ती संख्या आम लोगों के लिए गंभीर समस्या बनती जा रही है। बाजार, मुख्य मार्गों और गली–मोहल्लों में दिनभर घूम रहे मवेशियों के कारण राहगीरों, व्यापारियों और स्थानीय निवासियों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।

व्यापार मंडल के महामंत्री सोहन गैरोला, सामाजिक कार्यकर्ता पूरण सिंह, मदन जोशी, बिरेंद्र रावत ने बताया कि बाजार में घूमने वाले कई मवेशियों के कानों में टैग लगे हैं। इससे स्पष्ट है कि उनके मालिक उन्हें जानबूझकर खुला छोड़ रहे हैं। इससे न केवल बाजार में गंदगी फैल रही है बल्कि यातायात व्यवस्था भी प्रभावित हो रही है। कई बार ये मवेशी दुकानों और घरों के आंगनों में घुसकर नुकसान पहुंचा चुके हैं।

# रोडवेज बस की टक्कर से महिला की मौत, पति गंभीर

देहरादून।हरिद्वार जनपद के रुड़की शहर में बुधवार को एक दर्दनाक सड़क हादसे में एक महिला की मौत हो गई, जबकि उसका पति गंभीर रूप से घायल हो गया। हादसा एसडीएम चौक के पास उस समय हुआ, जब तेज रफ्तार उत्तराखंड रोडवेज की बस ने दंपति को टक्कर मार दी। दुर्घटना के बाद घटनास्थल पर अफरा–तफरी मच गई और आसपास मौजूद लोगों की भीड़ जमा हो गई।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, बस की टक्कर इतनी जोरदार थी कि दोनों सड़क पर गिर पड़े। स्थानीय लोगों ने तत्काल पुलिस और एंबुलेंस को सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने राहगीरों की मदद से दोनों को अस्पताल पहुंचाया, जहां चिकित्सकों ने महिला को मृत घोषित कर दिया। वहीं, हादसे में घायल महिला के पति का अस्पताल में इलाज जारी है। चिकित्सकों के अनुसार उनकी हालत गंभीर बनी हुई है और उन्हें लगातार चिकित्सकीय निगरानी में रखा गया है।

घटना के बाद मृतका के परिजनों में कोहराम मच गया। अस्पताल और घटनास्थल पर बड़ी संख्या में परिजन एवं परिचित पहुंच गए। पुलिस ने महिला के शव को कब्जे में लेकर पंचनामा भरने के बाद पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

प्रारंभिक जांच में हादसे का कारण तेज रफ्तार और लापरवाही बताया जा रहा है। पुलिस ने बस को कब्जे में ले लिया है और चालक से पूछताछ की जा रही है। अधिकारियों का कहना है कि मामले की जांच की जा रही है तथा जांच के आधार पर आगे की विधिक कार्रवाई की जाएगी।

स्थानीय लोगों ने भी एसडीएम चौक पर लगातार हो रहे सड़क हादसों पर चिंता जताते हुए यातायात व्यवस्था को और सुरक्षित बनाने की मांग की है।

# परीक्षा परिणाम की मांग पर पानी की टंकी पर चढ़े छात्र

देहरादून। उत्तराखंड आयुर्वेदिक विश्वविद्यालय में बुधवार को परीक्षा परिणाम और लंबित परीक्षाओं को लेकर छात्रों का आक्रोश खुलकर सामने आया। वर्ष 2019 से 2022 बैच के बीएएमएस छात्रों ने विश्वविद्यालय प्रशासन के खिलाफ जोरदार प्रदर्शन करते हुए प्रशासनिक भवन का घेराव किया। प्रदर्शन में राज्य के विभिन्न निजी आयुर्वेदिक कॉलेजों से बड़ी संख्या में छात्र शामिल हुए। छात्रों का आरोप है कि पिछले करीब ढाई वर्षों से उनका परीक्षा परिणाम जारी नहीं किया गया है और आगे की परीक्षाएं भी आयोजित नहीं कराई जा रही हैं। इससे उनका पूरा शैक्षणिक भविष्य संकट में पड़ गया है। प्रदर्शन के दौरान छात्रों ने विश्वविद्यालय प्रशासन के खिलाफ जमकर नारेबाजी की और अपनी मांगों को लेकर धरने पर बैठ गए। प्रदर्शन के दौरान छात्रों ने परीक्षा नियंत्रक समेत अन्य जिम्मेदार अधिकारियों से मिलने का प्रयास किया, लेकिन जब कोई अधिकारी मौके पर नहीं मिला तो उनका आक्रोश और बढ़ गया। छात्रों ने प्रशासनिक भवन में हंगामा किया और कर्मचारियों को उनके कमरों से बाहर निकलने

के लिए मजबूर कर दिया। कुछ समय तक परिसर में तनावपूर्ण स्थिति बनी रही।

**पानी की टंकी पर चढ़े छह छात्र, मचा हड़कंप**

आंदोलन ने उस समय उग्र रूप ले लिया जब छह छात्र विश्वविद्यालय परिसर में स्थित पानी की टंकी पर चढ़ गए। इस घटना से पूरे परिसर में अफरातफरी मच गई। सूचना मिलते ही पुलिस और विश्वविद्यालय प्रशासन के अधिकारी मौके पर पहुंचे और छात्रों को समझाने का प्रयास किया, लेकिन छात्रों ने मांगें पूरी होने तक नीचे उतरने से इनकार कर दिया।

नीचे मौजूद अन्य छात्र अपने साथियों के समर्थन में लगातार नारेबाजी करते रहे। स्थिति को नियंत्रित करने के लिए पुलिस ने प्रदर्शनकारियों को पीछे हटाने की कोशिश की, जिसके दौरान पुलिस और छात्रों के बीच तीखी नोकझोंक हुई। कुछ देर तक धक्का–मुक्की जैसी स्थिति भी बनी रही, हालांकि बाद में हालात पर काबू पा लिया गया।

**ढाई साल से भविष्य अधर में, लाखों रुपये की फीस भी बेकार**

प्रदर्शनकारी छात्रों का कहना है कि उन्होंने बीएएमएस की पढ़ाई पर लाखों रुपये खर्च किए हैं, लेकिन इसके बावजूद उनका भविष्य अधर में लटका हुआ है। उनका आरोप है कि परीक्षा परिणाम लंबित होने के कारण वे न तो अगले शैक्षणिक चरण में प्रवेश ले पा रहे हैं और न ही इंटर्नशिप तथा अन्य आवश्यक शैक्षणिक प्रक्रियाएं पूरी कर पा रहे हैं।

# देहरादून को एचआईवी/एड्स मुक्त बनाने की मुहिम तेज

देहरादून, देहरादून । जिले को एचआईवी/एड्स मुक्त बनाने के उद्देश्य से जिला प्रशासन ने संक्रमण की रोकथाम, समय पर जांच और प्रभावी उपचार व्यवस्था को और मजबूत बनाने का निर्णय लिया है। बुधवार को ऋषिपर्णा सभागार में जिलाधिकारी डॉ. आशीष चौहान की अध्यक्षता में आयोजित ह्यमिशन एड्स सुरक्षाह्न अभियान की समीक्षा बैठक में एचआईवी नियंत्रण कार्यक्रम की प्रगति का विस्तृत आकलन किया गया और भविष्य की रणनीति तय की गई। बैठक में जिलाधिकारी ने कहा कि एचआईवी/एड्स की रोकथाम के लिए समय पर जांच, सही परामर्श और प्रत्येक जरूरतमंद तक स्वास्थ्य सेवाओं की आसान पहुंच सुनिश्चित करना बेहद आवश्यक है। उन्होंने स्वास्थ्य विभाग को जनपद स्तर पर ठोस कार्ययोजना तैयार कर व्यापक जनजागरूकता

अभियान चलाने और संक्रमण रोकने के लिए प्रभावी कदम उठाने के निर्देश दिए।

**हाई रिस्क क्षेत्रों की होगी ॅकर मैपिंग**

डीएम डॉ. आशीष चौहान ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि जनपद के हाई रिस्क क्षेत्रों की पहचान कर उनकी जीआईएस (ॅकर) मैपिंग कराई जाए। इससे संवेदनशील क्षेत्रों में लक्षित अभियान चलाकर जरूरतमंद लोगों तक स्वास्थ्य सेवाएं और जागरूकता कार्यक्रम प्रभावी ढंग से पहुंचाए जा सकेंगे।

उन्होंने विशेष रूप से सेक्स वर्कर्स, ट्रांसजेंडर समुदाय, इंजेक्टिंग ड्रग यूजर्स , वाहन चालकों और प्रवासी (माइग्रेंट) आबादी जैसे संवेदनशील वर्गों के बीच जागरूकता, काउंसलिंग और समय पर एचआईवी जांच को प्राथमिकता देने के निर्देश दिए।

**जांच बढ़ाने और संक्रमितों को तत्काल उपचार से जोड़ने के निर्देश**

जिलाधिकारी ने स्वास्थ्य अधिकारियों को सैंपलिंग और एचआईवी टेस्टिंग की संख्या बढ़ाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जिन लोगों की रिपोर्ट पॉजिटिव आती है, उन्हें तुरंत एआरटी केंद्रों से जोड़कर आवश्यक उपचार और परामर्श उपलब्ध कराया जाए।

इसके साथ ही कॉन्टैक्ट ट्रेसिंग, नियमित फॉलोअप और विशेष रूप से गर्भवती महिलाओं की समयबद्ध जांच एवं काउंसलिंग सुनिश्चित करने पर भी जोर दिया गया, ताकि संक्रमण की रोकथाम प्रभावी ढंग से हो सके।

**सामाजिक भ्रांतियां दूर करने पर रहेगा विशेष जोर**

बैठक में जिलाधिकारी ने कहा कि एचआईवी/एड्स को लेकर समाज में आज भी कई भ्रांतियां, झिझक और डर मौजूद हैं। इन्हें दूर करने के लिए वैज्ञानिक तथ्यों पर आधारित संवेदनशील जागरूकता अभियान चलाया जाएगा। उन्होंने निर्देश दिए कि अभियान को और व्यापक बनाने के लिए आगामी बैठकों में पुलिस, शिक्षा विभाग तथा अन्य संबंधित विभागों को भी शामिल किया जाए।

### बीमार महिला को ट्रैक्टर से पार कराना पड़ा गांव

यमकेश्वर। ताल घाटी के 12 गांवों का सीधा संपर्क ऋषिकेश से कटने से परेशानी शुरू हो गई है। मंगलवार को बुकंडी निवासी एक महिला की अचानक तबीयत खराब हो गई। मार्ग बंद होने के कारण एंबुलेंस गांव तक नहीं आ सकी। उन्हें गांव से त्याडो तक ट्रैक्टर से ले जाना पड़ा।

उसके बाद त्याडो से दूसरे वाहन से ऋषिकेश स्थित अस्पताल पहुंचाया गया। मंगलवार सुबह तीन बजे से हो रही मूसलाधार बारिश के कारण ताल घाटी के करीब 12 गांवों का ऋषिकेश से सीधा संपर्क कट गया है। नाले गदेरे उफान पर हैं। ताल घाटी के लोगों का लिए ऋषिकेश पहुंचने का मुख्य मार्ग विंध्यवासिनी गंगा भोगपुर मार्ग है।

# गुरुपूर्णिमा पर चुनाव अभियान कार्यालय का उद्घाटन

देहरादून। गुरु पूर्णिमा के पावन अवसर पर उत्तराखंड प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय राजीव भवन, देहरादून में प्रदेश चुनाव अभियान समिति के नवगठित कार्यालय का विधिवत शुभारंभ किया गया। समिति के अध्यक्ष एवं चकराता विधायक प्रीतम सिंह ने वैदिक विधि–विधान के साथ कार्यालय का उद्घाटन किया और आगामी चुनावों के लिए संगठन को मजबूत करने का संकल्प दोहराया।

इस अवसर पर बड़ी संख्या में कांग्रेस पदाधिकारी, वरिष्ठ नेता, कार्यकर्ता एवं समर्थक उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान सभी ने प्रदेश चुनाव अभियान समिति के सफल संचालन और आगामी चुनावों में कांग्रेस की मजबूती के लिए शुभकामनाएं दीं। समिति अध्यक्ष प्रीतम सिंह ने कार्यक्रम में उपस्थित सभी कांग्रेसजनों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि गुरु पूर्णिमा का यह शुभ दिन संगठन के लिए नई ऊर्जा और सकारात्मक शुरुआत का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि पार्टी कार्यकर्ताओं के सहयोग, विश्वास और समर्पण के बल पर चुनाव अभियान को बूथ स्तर तक प्रभावी ढंग से पहुंचाया जाएगा।

प्रीतम सिंह ने अपने संदेश में कहा कि इस शुभ अवसर पर शुभकामनाएं, बधाइयां एवं स्नेह व्यक्त करने वाले सभी सम्मानित कांग्रेसजनों के प्रति वह हृदय की गहराइयों से आभार और धन्यवाद व्यक्त करते हैं। उन्होंने विश्वास जताया कि सभी कार्यकर्ता एकजुट होकर प्रदेशहित और जनहित के मुद्दों को लेकर जनता के बीच मजबूती से पहुंचेंगे।

कार्यक्रम के दौरान संगठनात्मक गतिविधियों, आगामी रणनीति और चुनावी तैयारियों को लेकर भी चर्चा हुई। कांग्रेस नेताओं ने कार्यकर्ताओं से एकजुट होकर पार्टी की नीतियों और जनसरोकारों को घर–घर तक पहुंचाने का आह्वान किया।

### दुल्हनी नदी पर बनेगी 915 मीटर लंबी सुरक्षा दीवार

हर्रावाला। हर्रावाला और कुआंवाला क्षेत्र के लोगों की वर्षों पुरानी मांग अब पूरी होने जा रही है। दुल्हनी नदी के किनारे बाढ़ और कटाव से सुरक्षा के लिए 4 करोड़ 12 लाख 70 हजार रुपये की लागत से बनने वाली सुरक्षा दीवार (पुश्ता) निर्माण कार्य शुरू कर दिया गया है। इससे क्षेत्र के कई इलाकों को नदी के कटाव और जलभराव की समस्या से राहत मिलने की उम्मीद है। बुधवार को स्थानीय विधायक बृजभूषण गैरोला ने लक्ष्मण सिद्ध कॉलोनी में विधिवत पूजा–अर्चना कर निर्माण कार्य का शिलान्यास किया।

# संजय रावत को मिला राष्ट्रपति पदक, बढ़ाया गौरव

आयोजित समारोह में सीबीआई निदेशक प्रवीण सूद से राष्ट्रपति पदक प्राप्त करते सेवानिवृत्त सहायक कमांडेंट संजय कुमार रावत

**जयन्त प्रतिनिधि कोटद्वार :** सतपुली तहसील के अंतर्गत ग्राम सतपाली निवासी केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) के सेवानिवृत्त सहायक कमांडेंट संजय कुमार रावत को राष्ट्रपति पदक से सम्मानित किया गया है। वर्तमान में वह नई दिल्ली स्थित मोरारजी देसाई राष्ट्रीय योग संस्थान में अपनी सेवाएं दे रहे हैं। संजय रावत की इस उपलब्धि से उनके परिजनों सहित गांव और क्षेत्रवासियों में खुशी का माहौल है।

नई दिल्ली के शौर्य, बसंत कुंज में आयोजित सम्मान समारोह में सीबीआई निदेशक प्रवीण सूद ने राष्ट्रपति की ओर से संजय कुमार रावत को पदक प्रदान किया। सीआरपीएफ में अपने सेवाकाल के दौरान संजय रावत ने कर्तव्यनिष्ठा, ईमानदारी और अनुशासन के साथ अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन किया। उनकी कार्यशैली और सेवा भावना के चलते उन्हें एक समर्पित अधिकारी के रूप में पहचान मिली। संजय रावत की उत्कृष्ट सेवाओं और विभाग के प्रति उनकी प्रतिबद्धता को देखते हुए जनवरी 2025 में उनका चयन राष्ट्रपति पदक के लिए किया गया था।

सम्मान प्राप्त करने के बाद उन्होंने कहा कि पौड़ी जिले के एक छोटे से गांव से निकलकर इस मुकाम तक पहुंचना उनके लिए गर्व का विषय है। उन्होंने कहा कि जीवन में कई सम्मान मिले हैं, लेकिन राष्ट्रपति पदक मिलना उनके लिए सबसे विशेष उपलब्धि है। संजय रावत की इस उपलब्धि पर ग्रामीणों और शुभचिंतकों ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए उन्हें बधाई दी। लोगों ने कहा कि उनकी सफलता युवाओं के लिए प्रेरणास्त्रोत है और उन्होंने अपने गांव व क्षेत्र का नाम गौरवान्वित किया है।

## योग साधकों ने किया योगाभ्यास, उत्कृष्ट कार्य करने वालों का सम्मान

जयन्त प्रतिनिधि ।कोटद्वार : भारत स्वाभिमान समिति युवा भारत की ओर से भी गुरु पूर्णिमा पर्व पर कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस दौरान योग को घर-घर पहुंचाने का संकल्प लिया गया।

कहा कि निरोग काया के लिए हमें प्रतिदिन योगाभ्यास करना चाहिए। तड़ियाल चौक स्थित एक मॉल में आयोजित कार्यक्रम में गुरु स्वामी रामदेव को याद किया गया। वक्ताओं ने कहा कि गुरु रामदेव ने योग के क्षेत्र में महत्वपूर्ण कार्य किया है। योग को घर-घर तक पहुंचाने में उनका महत्वपूर्ण योगदान रहा है।

कार्यक्रम के दौरान योग साधकों ने सामूहिक योगाभ्यास कर स्वस्थ जीवन का संदेश दिया। योग के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाले मनीषियों को सम्मानित किया गया। सम्मानित होने वालों में भगवती प्रसाद, दयाल सजवाण, डॉ. रवि नेगी, रूप सिंह, चंद्रकिशोर असवाल और अमित सजवाण शामिल रहे।

# गुरु की प्रतिमा का किया अभिषेक

गुरुपूर्णिमा पर पूजन करते सदस्य

**जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार :** गुरु पूर्णिमा पर्व पर बालाजी मंदिर परिसर में गुरु भ्रातृ मंडल की ओर से श्रद्धा और भक्तिभाव के साथ कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर ब्रह्मलीन गुरु सत्यप्रसाद बहुगुणा की प्रतिमा का विधि-विधान से अभिषेक कर उन्हें श्रद्धासुमन अर्पित किए गए।

मंदिर परिसर में आयोजित कार्यक्रम में आचार्य दिनेश जुयाल के सानिध्य में पं. वीरेंद्र कंडवाल, पं. हिमांशु जुयाल और पं. जानकी प्रसाद द्विवेदी ने पूजा-अर्चना संपन्न कराई। इसके बाद वेदमंत्रों के उच्चारण के बीच ब्रह्मलीन गुरु सत्यप्रसाद बहुगुणा की प्रतिमा का अभिषेक किया गया। कार्यक्रम में पं. अनिल घनशेला और पं. पवन सुंद्रियाल ने भजन-कीर्तन की मनमोहक प्रस्तुतियां देकर वातावरण को भक्तिमय बना दिया। वहीं, श्री सिद्धबली गुरुकुल संस्कृत विद्यालय के मेधावी छात्रों ने संस्कृत में शानदार प्रस्तुतियां दीं। उनकी प्रतिभा को देखते हुए गुरु भ्रातृ मंडल की ओर से छात्रों को सम्मानित भी किया गया। इस अवसर पर डॉ. एआर माहेश्वरी, राजदीप माहेश्वरी, संजय खंतवाल, दिनेश मोहन कुकरेती, बाल मोहन ध्यानी, कमल गुप्ता और कैलाश चंद्र कुकरेती सहित अनेक लोग मौजूद रहे।

## संक्षिप्त समाचार

### गढ़वाल विश्वविद्यालय में होंगे दो दिवसीय कार्यक्रम

जयन्त प्रतिनिधि। श्रीनगर गढ़वाल : हेमवती नंदन बहुगुणा गढ़वाल केंद्रीय विश्वविद्यालय, श्रीनगर (गढ़वाल) में भारत सरकार के शिक्षा मंत्रालय द्वारा राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के प्रभावी क्रियान्वयन एवं समीक्षा तथा भारतीय ज्ञान परंपरा के संवर्धन के उद्देश्य से दो दिवसीय अखिल भारतीय शिक्षा समागम-2026 का आयोजन 31 जुलाई से 1 अगस्त तक किया जायेगा।

इन कार्यक्रमों के सफल आयोजन हेतु विश्वविद्यालय प्रशासन द्वारा एक आयोजन समिति गठित की गई है। इस आयोजन के अंतर्गत प्रस्तावित कार्यक्रमों में 31 जुलाई 2026 को राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के अंतर्गत शिक्षा में भारतीय ज्ञान परंपरा एवं भारतीय भाषाओं का समावेश, विषय पर एक प्रदर्शनी आयोजित की जाएगी, जिसका उद्घाटन विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. श्रीप्रकाश सिंह द्वारा चौरास परिसर स्थित हिमालयी पुरातत्व एवं नृवंशीय संग्रहालय (म्यूजियम), में किया जाएगा। इस संबंध में विश्वविद्यालय के शैक्षणिक संकायाध्यक्ष एवं एनईपी समन्वयक प्रो. प्रशांत कंडारी ने गठित समिति के साथ एक बैठक ली और इस कार्यक्रम की रूपरेखा पर चर्चा की। उन्होंने बताया कि यह एक जनउपयोगी कार्यक्रम है जिसमें कोई भी शामिल हो सकता है। आयोजन समिति के द्वारा उद्घाटन अवसर पर आयोजित 'प्रदर्शनी' में सम्मानित नागरिकों, शिक्षकों, शोधार्थियों, विद्यार्थियों तथा एनईपी से जुड़े हितधारकों को आंमत्रित किया गया है। वहीं उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय का उद्देश्य राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के प्रमुख प्रावधानों, भारतीय ज्ञान प्रणाली तथा भारतीय भाषाओं के महत्व को व्यापक स्तर पर प्रसारित करना तथा शिक्षकों, विद्यार्थियों एवं समाज के विभिन्न वर्गों के मध्य सार्थक संवाद स्थापित करना है। बैठक में समिति में डॉ. राकेश नेगी, डॉ. नागेन्द्र रावत, डॉ. सुभाष, डॉ. अनूप सेमवाल, डॉ. कपिल पंवार, डॉ. अमरजीत परिहार, डॉ. चन्द्रशेखर जोशी, डॉ. पुनीत वालिया, डॉ. शंकर सिंह, डॉ. भास्करन आदि सदस्य उपस्थित रहे।

# गढ़वाल राइफल्स रेजिमेंट ने चलाया स्वच्छता अभियान

अभियान के दौरान स्वच्छता अभियान चलाते कर्मी

**जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार :** गढ़वाल राइफल्स रेजिमेंटल सेंटर, लैंसडाउन द्वारा स्वच्छता एवं पर्यावरण संरक्षण के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को सुदृढ़ करते हुए एक व्यापक स्वच्छता अभियान चलाया गया। अभियान का उद्देश्य लैंसडाउन और आसपास के प्रमुख प्राकृतिक एवं ऐतिहासिक स्थलों को स्वच्छ, सुंदर और प्लास्टिक मुक्त बनाना रहा।

अभियान का नेतृत्व सेंटर कमांडेंट ब्रिगेडियर विनोद सिंह नेगी, विशिष्ट सेवा मेडल ने किया। इस दौरान सेंटर एवं रिकॉर्ड्स द गढ़वाल राइफल्स के सभी सैन्य अधिकारी, जूनियर कमीशंड अधिकारी (जेसीओ), जवान तथा लगभग 400 अग्निवीरों ने पूरे उत्साह और ऊर्जा के साथ श्रमदान कर अभियान को सफल बनाया। स्वच्छता अभियान के अंतर्गत जयहरीखाल, पुरानी चुंगी, हवामहल, झारापानी, खैबर पास, वेलकम गेट, डेराखाल बैंड और टिफिन टॉप सहित कई प्रमुख एवं सामरिक स्थलों पर सफाई की गई। अभियान के दौरान सैन्य कर्मियों और अग्निवीरों ने प्लास्टिक कचरा, सूखा कचरा एवं अन्य अपशिष्ट पदार्थों को एकत्र कर उनका वैज्ञानिक एवं उचित निस्तारण सुनिश्चित किया। इस अवसर पर सेंटर कमांडेंट ब्रिगेडियर विनोद सिंह नेगी ने सभी सैनिकों और अग्निवीरों के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि ह्लस्वच्छता केवल एक दिन का अभियान नहीं, बल्कि हमारी जीवनशैली का अभिन्न हिस्सा होनी चाहिए। भारतीय सेना देश की सीमाओं की रक्षा के साथ-साथ पर्यावरण संरक्षण और सामाजिक दायित्वों के निर्वहन में भी हमेशा अग्रणी भूमिका निभाती रही है ह्व इस अभियान के माध्यम से स्थानीय नागरिकों और पर्यटकों को भी स्वच्छ वातावरण बनाए रखने, प्लास्टिक के उपयोग को कम करने तथा पर्यावरण संरक्षण में सक्रिय भागीदारी निभाने का संदेश दिया गया। गढ़वाल राइफल्स रेजिमेंटल सेंटर की इस पहल को स्थानीय लोगों ने सराहनीय बताते हुए इसे समाज के लिए प्रेरणादायक कदम बताया।

## तीन से बारह अगस्त तक होंगे ट्रायल

श्रीनगर गढ़वाल : खेल प्रतिभाओं को प्रोत्साहन देने के लिए मुख्यमंत्री खिलाड़ी प्रोत्साहन योजना के तहत श्रीनगर में 3 अगस्त से चयन ट्रायल शुरू होंगे। सीडीएस बिपिन रावत स्टेडियम में 3 से 12 अगस्त तक होने वाले ट्रायल के माध्यम से विकासखंड खिर्सू और नगर निगम श्रीनगर क्षेत्र के 14 से 23 वर्ष आयु वर्ग के बालक-बालिकाओं का चयन किया जाएगा। चयनित खिलाड़ियों को प्रदेश सरकार की ओर से प्रतिमाह 2000 रुपये की प्रोत्साहन राशि मिलेगी। खिर्सू क्षेत्र के खिलाड़ियों के ट्रायल 3 से 7 अगस्त और नगर निगम श्रीनगर क्षेत्र के खिलाड़ियों के ट्रायल 8 से 12 अगस्त तक आयु वर्ग के अनुसार होंगे। ट्रायल वाले दिन सुबह 8 से 10 बजे तक ही पंजीकरण होगा,

# बिड़ला परिसर में एम. लिब की 20 सीटों पर होगा प्रवेश

श्रीनगर गढ़वाल : एचएनबी गढ़वाल केंद्रीय विवि के बिड़ला परिसर में शैक्षणिक सत्र 2026-27 से एम.लिब पाठ्यक्रम शुरू हो गया है। छात्रों की मांग को देखते हुए विवि प्रशासन ने इस सत्र से बिड़ला परिसर स्थित पुस्तकालय विज्ञान विभाग (लाइब्रेरी साइंस) में एम. लिब की 20 सीटों पर प्रवेश की अनुमति दी है। 5 अगस्त तक पोर्टल पर पंजीकरण कराना होगा। विवि के पुस्तकालय एवं सूचना विभाग के अध्यक्ष डॉ. गांधी चौहान ने बताया कि गढ़वाल विवि में वर्तमान में बी.लिब पाठ्यक्रम 44 सीटों के साथ संचालित हो रहा है। बी. लिब करने के बाद छात्रों को एम. लिब करने के लिए अन्य संस्थानों की ओर रुख करना पड़ता है। पूर्व में वर्ष 2002-03 तक विवि के बिड़ला परिसर में संचालित एम. लिब पाठ्यक्रम का संचालन बंद हो गया था। उसके बाद विवि से संबद्ध निजी कॉलेजों में इस पाठ्यक्रम को 2014 तक संचालित कराया जा रहा था। बाद में विवि से संबंद्ध कॉलेजों में भी इसका संचालन नहीं हो पाया। इस कारण छात्रों को अन्य संस्थानों में प्रवेश लेना पड़ रहा था। डॉ. चौहान ने कहा कि विवि के कुलपति प्रो. श्रीप्रकाश सिंह के निर्देशों पर इस सत्र से एम. लिब पाठ्यक्रम को 20 सीटों के साथ संचालित कराने की स्वीकृति मिली है।


उत्तर रेलवे

निविदा सूचना

वरिष्ठ मण्डल संकेत एवं दूरसंचार अभि0/उत्तर रेलवे, मुरादाबाद, कृते एवं भारत के राष्ट्रपति की ओर से निम्न कार्यों के लिए खुली निविदा ई-टेंडरिंग प्रणाली के माध्यम से आमन्त्रित करते हैं।

| क्र. सं. | निविदा संख्या और कार्य का विवरण | लगभग लागत रूपये | अग्रिम धन रूपये | निविदा फॉर्म की लागत रू |
|---|---|---|---|---|
| 1. | 35RT-Tele-CCTV-Kumbh-25-26 प्रोविजन ऑफ सी सी टी वी एट ऑल रेलवे स्टेशन्स बीटवीन एल आर जे-एच डब्लू एंड एच डब्लू-आर के एस एच फॉर कुम्भ मेला 2027. | 214199679.94 | 4284000.00 | NIL |
| | निविदा प्रस्तुत करने और निविदा खोलने के लिए अंतिम तिथि और समय | 21.08.2026 15:00 बजें | | |

नोटः निविदा का पूरा विवरण www.ireps.gov.in पर देखा जा सकता है।

सं.: 35RT-Tele-CCTV-Kumbh-25-26 दिनांकः 28.07.2026

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ 2613/26


# ठेकेदारों ने मुख्य सचिव को बताई समस्याएं

मुख्य सचिव से मुलाकात करते ठेकेदार

**जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार :** देवभूमि ठेकेदार कल्याण समिति के एक प्रतिनिधि मंडल ने मुख्य सचिव आनंदवर्धन से मुलाकात की। जिसमें विभिन्न विभागों में पंजीकृत ठेकेदारों ने उनके हितों की रक्षा करने, टेंडर प्रक्रिया में पारदर्शिता अपनाए जाने सहित विभिन्न बिंदुओं पर ज्ञापन सौंपते हुए वार्ता की।

प्रदेश अध्यक्ष गोविंद सिंह पुंडीर व प्रदेश संगठन मंत्री देवेंद्र पाल सिंह नेगी के नेतृत्व में ठेकेदारों के एक प्रतिनिधिमंडल ने देहरादून जाकर मुख्य सचिव आनंद वर्धन को समस्याओं से अवगत करवाया। कहा कि वर्तमान में ठेकेदारों के साथ अन्याय हो रहा है। विभागों में पंजीकृत ठेकेदारों से निविदा प्रक्रिया से वंचित होना पड़ रहा है और पात्र ठेकेदारों को कोई काम नहीं मिल पा रहा है। ठेकेदारों ने मांग करते हुए कहा कि सिंगल बिड की निविदाओं की क्षमता डेढ़ करोड़ से बढ़ा कर तीन करोड़ की जाए, जिससे डी और सी क्लास के क्षमता बढ़ाने का लाभ मिल सके। एक प्रदेश-एक नियम के तहत लोक निर्माण विभाग की भांति सभी विभागों के पांच वर्ष के लिए पंजीकरण होना चाहिए। सिंचाई विभाग की भांति एक कार्य को चार भागों में स्वीकृत कर सिंगल बिड टेंडर लगाए जाए, जिससे स्थानीय ठेकेदारों को लाभ मिल सके। खनिज विभाग की रायल्टी अनुमति पत्र की फीस दस हजार से घटाकर पांच रूपए की जाए। स्वीकृत कार्यों की निविदाओं को ब्रेक करने की क्षमता अधिशासी अभियंता के स्तर पर हो, जिससे अधिक से अधिक निविदा आमंत्रित हो सके। प्रथम चरण के कार्य में पहाड़ कटान का काम पांच-पांच सौ मीटर व कच्चे मार्ग को पक्का करने के लिए 1-1 किलोमीटर पृथक करके लगाए जाए। साथ ही अनुभवों की बाध्यता और बैंक गारंटी समाप्त की जाए। इस मौके पर रतनमणि भट्ट, राजेंद्र सिंह कुंवर, आशीष रावत, किशोर कुमार, नंद किशोर डबराल शामिल रहे।

# शिव महापुराण कथा का भंडारे के साथ हुआ समापन, गूंजे भोलेनाथ के जयकारे

आयोजित शिव महापुराण के दौरान मौजूद श्रद्धालु

**जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार :** निंबूचौड़ में आयोजित नौ दिवसीय शिव महापुराण कथा का बुधवार को विधिवत समापन भंडारे के साथ हुआ। समापन अवसर पर क्षेत्र के सैकड़ों श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया और भगवान शिव से अपने परिवार, समाज एवं देश में सुख-शांति और समृद्धि की कामना की।

कथा के अंतिम दिन आचार्य राकेश चंद्र लखेड़ा ने भगवान शिव की महिमा का वर्णन करते हुए कहा कि शिव महापुराण केवल एक धार्मिक ग्रंथ नहीं, बल्कि मानव जीवन को सत्य, सेवा, संयम और सदाचार का मार्ग दिखाने वाला दिव्य मार्गदर्शक है। उन्होंने कहा कि भगवान शिव की आराधना से मनुष्य के समस्त कष्ट दूर होते हैं तथा जीवन में सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है। आचार्य लखेड़ा ने श्रद्धालुओं से अपने जीवन में धर्म, संस्कार और मानवीय मूल्यों को अपनाने का आह्वान करते हुए कहा कि शिव भक्ति व्यक्ति को अहंकार, क्रोध और लोभ जैसी बुराइयों से दूर रखती है तथा समाज में प्रेम, सद्भाव और आपसी भाईचारे की भावना को सुदृढ़ बनाती है।

समापन अवसर पर आयोजित विशाल भंडारे में क्षेत्र के सैकड़ों श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया। इस दौरान ह्लहर-हर महादेवह्व और ह्लबम-बम भोलेह्व के जयकारों से पूरा वातावरण भक्तिमय हो उठा। इस अवसर पर पूर्व कैबिनेट मंत्री सुरेंद्र सिंह नेगी, महापौर हेमलता नेगी, पूर्व ब्लॉक प्रमुख गीता नेगी, सुरेश कुकरेती, रीना देवरानी, इंदु नौटियाल, हिम्मत सिंह सहित अनेक गणमान्य लोग एवं श्रद्धालु उपस्थित रहे।

## नयार नदी में गिरा ट्रक, चालक ने कूदकर बचाई जान

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : रामनगर से सीमेंट व बजरी लेकर आ रहा ट्रक ग्राम तलाई के समीप पूर्वी नयार नदी में जा गिरा। सड़क किनारे पुस्ता ढहने के कारण ट्रक नदी में जा गिरा। हालांकि, चालक ने पहले ही ट्रक से कूद मार दी, जिससे उसकी जान बच गई। ट्रक रामनगर से सीमेंट, सरिया व बजरी लेकर बैजरो तलाई की ओर आ रहा था। इसी दौरान तलाई से करीब सौ मीटर पहले ट्रक पूर्वी नयार नदी में जा गिरा। गनीमत यह रही कि चालक संजय प्रकाश ने समय रहते ट्रक से बाहर छलांग लगा दी, जिससे उनकी जान बच गयी। बताया जा रहा है कि सड़क किनारे मलबा एकत्र था, जिस कारण सड़क संकरी हो गई। चालक ने किनारे से ट्रक को निकालने का प्रयास किया तो सड़क किनारे का कच्चा पुश्ता ढह गया और ट्रक नदी में जा गिरा। स्थानीय निवासियों ने बताया कि उक्त स्थान पर पिछले कई महीनों से मलबा पड़ा हुआ है। लोक निर्माण विभाग को कई बार इस मलबे को हटाने के लिए कहा गया। लेकिन, कोई फायदा न हुआ। ग्राम प्रधान नीलम रावत ने कहा कि इस सड़क पर लोनिवि कालोनी में रहने वाले कई विभागीय कर्मचारी रोजाना आते जाते हैं। लेकिन, विभाग ने मलबा हटाने की जहमत नहीं उठाई।

दैनिक जयन्त-विचार



संपादकीय

# उम्मीदों का विधेयक या खानापूर्ति!

लोकसभा में भारी हंगामा के बीच आखिर "लोक परीक्षा संशोधन विधेयक" पास हो गया है और उम्मीद की जा रही है कि आने वाले दिनों में आए दिन होने वाली परीक्षाओं के लीक जैसे प्रकरणों को रोका जा सकेगा। हालांकि विभक्ति इस बिल को लेकर पूरी तरह संतुष्ट नहीं है लेकिन यहां विधेयक का समर्थन जरुर करना होगा क्योंकि देर से ही सही कम से कम एक शुरुआत तो युवाओं के पक्ष में की गई है। परीक्षाएँ केवल प्रश्नपत्रों और अंकों का खेल नहीं हैं, बल्कि करोड़ों युवाओं के सपनों, संघर्षों और भविष्य का आधार हैं। एक अभ्यर्थी कई वर्षों तक कठिन परिश्रम करता है, परिवार आर्थिक और मानसिक सहयोग देता है, और पूरा जीवन एक परीक्षा के परिणाम से जुड़ जाता है। ऐसे में जब पेपर लीक की खबर सामने आती है, तब केवल एक परीक्षा नहीं टूटती, बल्कि व्यवस्था पर विश्वास भी बिखर जाता है। इसी पृष्ठभूमि में लोकसभा द्वारा पारित लोक परीक्षा (अनुचित साधनों की रोकथाम) संशोधन विधेयक महत्वपूर्ण माना जा रहा है। इस विधेयक का उद्देश्य परीक्षा माफियाओं, संगठित नकल गिरोहों और पेपर लीक के अपराधियों पर कठोर कार्रवाई करना है। सरकार का दावा है कि कड़ी सजा, भारी जुर्माना और त्वरित न्यायिक प्रक्रिया के माध्यम से परीक्षा प्रणाली को अधिक सुरक्षित और पारदर्शी बनाया जाएगा।

निस्संदेह, यह कदम लंबे समय से महसूस की जा रही आवश्यकता को संबोधित करता है। पिछले वर्षों में विभिन्न भर्ती और प्रवेश परीक्षाओं में हुई अनियमितताओं ने युवाओं के धैर्य की परीक्षा ली है। कई बार परीक्षाएँ रद्द हुईं, परिणाम रोके गए और लाखों उम्मीदवारों को दोबारा तैयारी के बोझ से गुजरना पड़ा। ऐसे माहौल में कठोर कानून एक सकारात्मक संदेश देता है कि व्यवस्था अब अपराधियों के प्रति नरम नहीं रहेगी। लेकिन केवल कानून बना देना समस्या का अंतिम समाधान नहीं है। इतिहास गवाह है कि अनेक कठोर कानून तब तक अपेक्षित परिणाम नहीं दे सके, जब तक उनके क्रियान्वयन में ईमानदारी और जवाबदेही सुनिश्चित नहीं की गई। पेपर लीक अक्सर किसी एक व्यक्ति की गलती नहीं, बल्कि सुरक्षा व्यवस्था, प्रशासनिक लापरवाही और भ्रष्ट तंत्र की संयुक्त विफलता का परिणाम होता है। यदि परीक्षा आयोजित करने वाली संस्थाओं की जवाबदेही तय नहीं होगी, तो केवल दंड की कठोरता पर्याप्त नहीं होगी। एक और महत्वपूर्ण प्रश्न यह है कि क्या जांच निष्पक्ष और पारदर्शी होगी? कानून का प्रभाव तभी दिखाई देगा जब कार्रवाई का दायरा ऊपर तक पहुँचे और किसी भी दोषी को राजनीतिक, प्रशासनिक या आर्थिक प्रभाव के कारण संरक्षण न मिले। इस विधेयक का सबसे बड़ा महत्व युवाओं के मनोबल से जुड़ा है। आज का युवा यह विश्वास चाहता है कि उसकी मेहनत किसी अवैध नेटवर्क या धनबल के सामने हार नहीं जाएगी। यदि नया कानून यह भरोसा स्थापित करने में सफल होता है, तो इसकी सबसे बड़ी उपलब्धि वही होगी। भारत विश्व की सबसे युवा आबादी वाले देशों में से एक है। ऐसे में निष्पक्ष परीक्षा प्रणाली केवल शैक्षिक आवश्यकता नहीं, बल्कि राष्ट्रीय विकास की शर्त है। प्रतिभा तभी आगे आएगी जब चयन प्रक्रिया पर जनता का विश्वास बना रहेगा। इसलिए यह संशोधन विधेयक स्वागत योग्य है, लेकिन इसकी सफलता अदालतों में होने वाली सजाओं से नहीं, बल्कि उन युवाओं के चेहरे पर लौटने वाले विश्वास से मापी जाएगी जो हर वर्ष लाखों की संख्या में परीक्षाओं में बैठते हैं। कानून ने अपनी भूमिका निभा दी है। अब परीक्षा प्रणाली, प्रशासन और राजनीतिक नेतृत्व की जिम्मेदारी है कि वे खुद को साबित करें।

# सावधान! घर बैठे कमाई वाला वो एक मैसेज आपको बना सकता है डिजिटल गुलाम

दिलीप कुमार पाठक

घर बैठे मोबाइल से कमाएं रोज के पांच हजार रुपए! आजकल फेसबुक, इंस्टाग्राम या व्हाट्सएप खोलते ही ऐसे लुभावने मैसेज हर तरफ तैरते हुए दिख जाते हैं। मंदी और बेरोजगारी के इस दौर में जब जेब तंग हो, तो ऐसे विज्ञापन किसी वरदान या लॉटरी जैसे लगते हैं। लेकिन जरा ठहरिए! जिस लिंक पर आप एक क्लिक करने जा रहे हैं, वो आपको अमीर बनाने का रास्ता नहीं, बल्कि एक ऐसे दलदल का रास्ता है जहाँ से आप कंगाल और बर्बाद होकर ही बाहर निकलेंगे। हर साल 30 जुलाई को दुनिया भर में मानव तस्करी के खिलाफ विश्व दिवस मनाया जाता है।

जब भी हम मानव तस्करी का नाम सुनते हैं, तो हमारे दिमाग में पुरानी फिल्मों जैसा कोई सीन आता है - जैसे किसी का जबरन किडनैप कर लेना, किसी मासूम को बंधक बनाकर मजदूरी कराना या भीख मंगवाना। लेकिन आज के इस चमचमाते डिजिटल जमाने में अपराधियों ने अपना तरीका पूरी तरह बदल लिया है। आज का सबसे नया और खतरनाक सच है साइबर स्लेवरी यानी डिजिटल गुलामी। अब इंसानों को किसी अंधेरी कोठरी में नहीं, बल्कि कंप्यूटर स्क्रीन के सामने बैठाकर इंटरनेट की अदृश्य जंजीरों से गुलाम बनाया जा रहा है। इस पूरे काले खेल की शुरूआत बहुत ही सीधे और मासूम तरीके से होती है। आपको व्हाट्सएप पर एक अनजान नंबर से मैसेज आएगा कि यूट्यूब वीडियो लाइक करो और घर बैठे पैसे कमाओ। आप उनके कहे अनुसार वीडियो लाइक करते हैं और आपके खाते में सचमुच 200-300 रुपए आ भी जाते हैं। यहाँ पर बड़ी चालाकी से आपका भरोसा जीत लिया जाता है। इसके बाद असली जाल बिछाया जाता है। वो आपसे कहेंगे कि अगर और ज्यादा मोटी कमाई करनी है, तो आपको थोड़ा पैसा इन्वेस्ट करना होगा। घर बैठे रातों-रात अमीर बनने के लालच में लोग अपनी जिंदगी भर की जमा-पूंजी, यहाँ तक कि कर्ज लेकर या घर के गहने बेचकर लाखों रुपए इन फर्जी वेबसाइट्स पर लगा देते हैं। जब तक हमें समझ आता है कि हम पूरी तरह लुट चुके हैं, तब तक स्क्रीन के उस पार बैठा ठग अपना डिजिटल बोरिया-बिस्तर समेटकर गायब हो चुका होता है। यह तो इस गंदे खेल का सिर्फ एक हिस्सा है।

इसका दूसरा और सबसे डरावना रूप वो है जो हमारे देश के पढ़े-लिखे युवाओं के साथ विदेशों में हो रहा है। कंबोडिया, म्यांमार और थाईलैंड जैसे देशों में डेटा एंट्री या कंप्यूटर ऑपरेटर की आलीशान नौकरी का लालच देकर भारतीय लड़कों को बुलाया जाता है। वहां पहुंचते ही उनके पासपोर्ट छीन लिए जाते हैं और उन्हें बंदूक की नोक पर बड़ी-बड़ी इमारतों में बंद कर दिया जाता है। इसके बाद उनसे जबरन भारत में बैठे मासूम लोगों को फोन करके या मैसेज भेजकर ठगने का काम कराया जाता है। जो युवा ऐसा करने से मना करते हैं, उन्हें कई-कई दिनों तक भूखा रखा जाता है, लोहे की रॉड से बेरहमी से पीटा जाता है और करंट के झटके दिए जाते हैं। यानी हमारे ही देश के बेरोजगार लड़कों को बंधक बनाकर, उन्हीं के हाथों दूसरे भारतीयों को लुटवाया जा रहा है। यह स्थिति बेहद भयानक है। सरकार और पुलिस अपनी तरफ से कोशिश कर रही हैं, लेकिन सिर्फ पुलिस के भरोसे इस अदृश्य दुश्मन से नहीं जीता जा सकता। इस डिजिटल गुलामी की जंजीरों को तोड़ने का एक ही तरीका है - हमारी खुद की समझदारी। हमें यह छोटी सी बात समझनी होगी कि दुनिया में कोई भी कंपनी बिना किसी मेहनत या बिना किसी इंटरव्यू के घर बैठे मुफ्त में पैसे नहीं बांटती। अगर कोई ऑफर जरूरत से ज्यादा अच्छा लग रहा है, तो समझ जाइए कि दाल में कुछ काला नहीं, बल्कि पूरी दाल ही काली है। अगर कभी अनजाने में आप ऐसे किसी जाल में फंस जाएं या आपके साथ कोई ऑनलाइन फ्रॉड हो जाए, तो डरने या समाज के डर से छिपने की बिल्कुल जरूरत नहीं है। सरकार ने इसके लिए पुख्ता इंतजाम किए हैं। ऐसी स्थिति में तुरंत भारत सरकार के राष्ट्रीय साइबर अपराध हेल्पलाइन नंबर 1930 पर कॉल करें। जितनी जल्दी आप इस नंबर पर शिकायत करेंगे, आपके पैसे वापस मिलने की उम्मीद उतनी ही ज्यादा होगी, याद रखिए, आपकी एक सावधानी आपको बर्बाद होने से बचा सकती है।

# शिक्षा, पढ़ाई और अनुभव से आती है, कोचिंग या ट्यूशन से नहीं?

सनत जैन

पिछले तीन दशक से भारत की शिक्षा पद्धति में बड़ी तेजी के साथ बदलाव आया है। प्राइमरी स्कूल से लेकर उच्च शिक्षा तक सभी जगह ट्यूशन और कोचिंग का एक नया जाल बुना गया है। इस जाल में फंसने के बाद बच्चों को रटन्तु विद्या तो हासिल हो जाती है, परीक्षा में उनके नंबर भी अच्छे आ जाते हैं, लेकिन जो ज्ञान उन्होंने पढ़कर हासिल किया है, उसका अनुभव नहीं आने पर ऐसा ज्ञान उनके कोई काम नहीं आता है। गुरु पूर्णिमा का अवसर है, गुरु राह दिखाता है। उसमें चलना शिष्य को पड़ता है। जब तक शिक्षा का ज्ञान अनुभव में ना आए, तब तक शिक्षा का कोई महत्व नहीं होता है। भारत में 1990 के बाद से एक ऐसा नया दौर शुरू हुआ है, जहां माता-पिता बच्चों को परीक्षा में मिले नंबरों से उनका आकलन करते हैं, यह ठीक नहीं है। हर बच्चे की बुद्धि अलग-अलग होती है। उसके सोचने का तरीका अलग होता है। उसका काम करने का तरीका अलग होता है। माना जाता है, ईश्वर ने हर जीव में अलग बुद्धि और अलग कौशल प्रदान किया है, जो समय और अनुभव के साथ आगे बढ़ता है। उच्च शिक्षा की पढ़ाई में पहले थ्योरी के साथ-साथ प्रेक्टिकल पर भी ध्यान दिया जाता था। मिडिल और हाई स्कूल के बच्चों को विविधता के साथ ज्ञान उपलब्ध हो, इसके लिए स्कूलों में तरह-तरह की पढ़ाई और अनुभव से बच्चों को जोड़कर रखा जाता था। पिछले 30 वर्षों में जिस तरीके से शिक्षा के क्षेत्र में बदलाव आया है, उसमें हम रटंतू तोता तैयार कर रहे हैं। कोचिंग से शिक्षा लेने वाले छात्र उच्च शिक्षा प्राप्त कर परीक्षा के बाद बहुत ज्यादा नंबर लेने, मेरिट में आने के बाद भी, जब उन्हें अनुभव नहीं मिलता है। परीक्षा के प्रवेश नहीं मिलता है, तो उनके ज्ञान का कोई महत्व नहीं रह जाता है। यह बात परीक्षार्थियों, उनके माता-पिता और अभिभावकों को समझनी होगी। हर बच्चे का पारिवारिक स्तर अलग होता है। उसके घर और परिवार में अलग-अलग तरीके का माहौल होता है। हर परिवार की जीवन शैली अलग होती है। सामाजिक जीवन में विकास के लिये भाषा और गणित का ज्ञान बहुत आवश्यक होता है। वर्तमान समय में तकनीकी ज्ञान भी बड़ा आवश्यक है। सूचना प्रौद्योगिकी, डिजिटल तकनीकी और कंप्यूटर आदि की जानकारी वर्तमान समय में जरूरी हो गई है। इसके लिए प्राथमिक जानकारी एवं उसका उपयोग बहुत आवश्यक है। हर व्यक्ति का भाषा ज्ञान और विज्ञान उसके काम आता है, जो उसकी जरूरत में सदैव बना रहता है। अनुभव और समय की मांग के आधार पर वह अपने ज्ञान को निरंतर बढ़ाता रहता है। ज्ञान की कोई सीमा नहीं होती है। अनुभव और समय के अनुसार नया ज्ञान हासिल करना जरूरत है। उसी ज्ञान के सहारे वह आगे बढ़ता चला जाता है। प.पू. आचार्य विद्यासागर जी महाराज कहते थे, बिल्ली जिस पंजे से शिकार करती है, उसी पंजे से अपने बच्चों का पालन भी करती है। जिसका शिकार करती है, उसे नुकसान होता है। उसी पंजे से बच्चों का पालन होता है। आचार्य विद्यासागर जी महाराज यह भी कहते थे, 50 शास्त्रों का ज्ञान और अनुभव का ज्ञान दोनों बराबर होते हैं। शास्त्रों में लिखा गया ज्ञान यदि अनुभव में नहीं आया है, तो उस ज्ञान का कोई महत्व नहीं है।

पिछले कुछ दशकों में सरकार ने जिस तरह की शिक्षा नीति बनाई है। उसमें नंबरों को आधार बनाकर बौद्धिक ज्ञान को नकार दिया गया है। उच्च शिक्षा की पढ़ाई में हर जगह अभ्यास के आधार पर परीक्षायें आयोजित हो रही हैं। परीक्षा में अधिक नंबर लाने के लिए ट्यूशन और कोचिंग संस्थानों की संख्या और उनका प्रभाव लगातार बढ़ता चला जा रहा है। 60 और 70 के दशक में विश्वविद्यालय में फर्स्ट डिवीजन के नंबर आने पर गोल्ड मेडलिस्ट बनने का सौभाग्य मिल जाता था। अब 95 फीसदी अंक लाने के बाद भी शिक्षण संस्थानों में प्रवेश अथवा चयन होता है। जिस तरह पहले पहाडे को याद करा दिया जाता था। उसका उपयोग हमेशा होता था। बच्चों ने जो पहाडा, जोड़-घटाना, गुणा-भाग प्राइमरी में पढ़ा है, सारे जीवन वह याद रहता है। उसी ज्ञान के सहारे वह अपने करियर को निरंतर आगे बढ़ाते हैं। इसी तरह भाषा का ज्ञान हिंदी मातृ भाषा और अंग्रेजी का ज्ञान आज भी उनके लिए उपयोगी है, जो उन्होंने प्राइमरी मिडिल और हाई स्कूल में पढ़ा था। उच्च शिक्षा में आने के बाद जो ज्ञान हासिल हो रहा है, उसमें डिग्री तो मिल जाती है। जब उस डिग्री के ज्ञान का कोई उपयोग, अनुभव में नहीं आता है, तो उसका कोई महत्व नहीं रह जाता है। बच्चों और युवाओं के कई महत्वपूर्ण साल शिक्षा प्राप्त करने में खत्म हो जाते हैं। परिवार के लाखों रुपए पढ़ाई में खर्च हो जाते हैं। रोजगार, नौकरी तथा भविष्य को लेकर ठन-ठन गोपाल वाली स्थिति बनी हुई है। दुनिया में जो तकनीकी कई दशकों में ईजाद हुई है उसके लिए कोई विशेष पढ़ाई करने की जरूरत कभी नहीं हुई। जिस व्यक्ति ने सोच लिया, हमें यह ज्ञान हासिल करना है, उसने हासिल करके ही अपनी पहचान बनाई है। इस बात को हमें भूलना नहीं चाहिए। गुरु पूर्णिमा के अवसर पर हमें सोचना होगा आज का वर्तमान कल का भविष्य बनेगा। भारत में इस समय युवाओं की संख्या सबसे ज्यादा है। बच्चों की जनसंख्या घटना शुरू हो गई है। ऐसी स्थिति में हमें अपने भविष्य को बेहतर बनाना है, तो शिक्षा पद्धति में बदलाव लाना पड़ेगा। हर मस्तिष्क का उपयोग उसकी क्षमता और अनुभव के आधार पर हो। तभी स्वयं को परिवार और देश को आगे बढ़ाने में शिक्षा का महत्व है। वर्तमान में चीन इसका सबसे बड़ा उदाहरण है। चीन ने 12 हजार से अधिक रोजगार मूलक डिग्री शुरू की है। भारत में गुरु द्रोणाचार्य और एकलव्य की चर्चा होती है। जिस शिष्य को गुरु ने स्वीकार नहीं किया, उसी शिष्य ने द्रोणाचार्य को गुरु के रूप में स्वीकार किया। आस्था- विश्वास और अभ्यास से उनके परम शिष्य अर्जुन से आगे निकल गए। गुरु द्रोणाचार्य को एकलव्य का अंगूठा मांगना पड़ा। गुरु पूर्णिमा के अवसर ज्ञान के सभी गुरुओं को शत-शत प्रणाम।

# मित्रता है मानवता का सबसे मजबूत सेतु

अंतर्राष्ट्रीय मित्रता दिवस

ललित गर्ग

आज जब रिश्तों की जमीन सूख रही है, संवेदनाएं बिखर रही हैं और मनुष्य स्वयं को भीड़ में भी अकेला महसूस कर रहा है, तब अंतर्राष्ट्रीय मित्रता दिवस हमें याद दिलाता है कि दुनिया को सबसे अधिक आवश्यकता नई तकनीक की नहीं, बल्कि नए विश्वास की है, नई प्रतिस्पर्धा की नहीं बल्कि नई करुणा की है, नई शक्ति की नहीं बल्कि नई मित्रता की है। हम अपने जीवन में कम-से-कम एक ऐसा संबंध अवश्य बनाएं जिसमें स्वार्थ नहीं, विश्वास हो। अपेक्षा नहीं, अपनापन हो।

आज का विश्व अभूतपूर्व वैज्ञानिक प्रगति, तकनीकी विकास और कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) के उत्कर्ष का साक्षी है, लेकिन इसके समानांतर एक कठोर सच्चाई भी हमारे सामने है-मनुष्य पहले से अधिक अकेला, तनावग्रस्त और संबंधों से विहीन होता जा रहा है। परिवार छोटे हुए हैं, संवाद सीमित हुआ है, विश्वास कमजोर पड़ा है और संवेदनाएं लगातार क्षीण हो रही हैं। ऐसे समय में अंतर्राष्ट्रीय मित्रता दिवस केवल एक औपचारिक उत्सव नहीं, बल्कि मानव सभ्यता को बचाने का एक सांस्कृतिक और नैतिक अभियान है। संयुक्त राष्ट्र द्वारा प्रत्येक वर्ष 30 जुलाई को मनाया जाने वाला अंतर्राष्ट्रीय मित्रता दिवस इस विश्वास को मजबूत करता है कि मित्रता केवल दो व्यक्तियों के बीच का संबंध नहीं, बल्कि देशों, संस्कृतियों, समुदायों और सम्पूर्ण मानवता के बीच शांति का सेतु है। 2011 में संयुक्त राष्ट्र महासभा ने इस दिवस को मान्यता देते हुए स्पष्ट किया था कि यदि दुनिया में स्थायी शांति स्थापित करनी है तो उसके लिए हथियारों से अधिक प्रभावी माध्यम मित्रता, संवाद और पारस्परिक सम्मान है।

नयी सभ्यता और उपभोक्तावाद के इस दौर में हर रिश्ता लाभ और हानि की तुला पर तौला जाता है। यही कारण है कि वैचारिक मतभेदों से मनभेद, प्रतिस्पर्धा से विरक्ति, और स्वार्थ से संवेदनहीनता जन्म ले रही है। ऐसे समय में दोस्ती ही एकमात्र ऐसा रिश्ता है जो इन सभी दीवारों को गिरा सकता है। यह केवल 'रिश्ता' नहीं बल्कि एक मनःस्थिति, एक दृष्टिकोण, एक आध्यात्मिक अनुभव है। जहां यह पर्व दक्षिण अमेरिकी देशों में 20 और 30 जुलाई को मनाया जाता है, वहीं भारत, मलेशिया, बांग्लादेश जैसे देशों में यह अगस्त के पहले रविवार को धूमधाम से मनाया जाता है। युवाओं के लिए यह केवल गिफ्ट, सेल्फी और चॉकलेट तक सीमित रह गया है, जबकि इसकी मूल आत्मा है एक-दूसरे की भावनाओं को समझना, स्वीकार करना और निभाना।

भारतीय संस्कृति ने तो हजारों वर्षों पूर्व ही इस सत्य को स्वीकार कर लिया था। हमारे यहां 'मित्रस्य चक्षुषा सर्वाणि भूतानि समीक्षन्ताम्' अर्थात् समस्त प्राणियों को मित्र-दृष्टि से देखने की कामना की गई है। जैन दर्शन का मैत्री भाव, बौद्ध धर्म की मैत्री भावना, उपनिषदों का वसुधैव कुटुम्बकम् तथा संत परम्परा का प्रेम-दर्शन इसी वैश्विक मित्रता की आधारशिला हैं। मित्रता संसार का सबसे स्वाभाविक और सबसे स्वतंत्र संबंध है। जन्म से मिलने वाले रिश्तों के विपरीत मित्रता का चुनाव मनुष्य स्वयं करता है। इसमें न रक्त का बंधन है, न किसी सामाजिक अनुबंध की बाध्यता। यह विश्वास, आत्मीयता, सम्मान और स्वीकार्यता पर आधारित वह रिश्ता है जिसमें व्यक्ति बिना किसी भय और संकोच के स्वयं को अभिव्यक्त कर सकता है। सच्चा मित्र हमारी सफलताओं पर प्रसन्न होता है और हमारी असफलताओं में सबसे पहले हमारे साथ खड़ा दिखाई देता है।

श्रीकृष्ण और सुदामा की मित्रता भारतीय संस्कृति में केवल दो मित्रों की कहानी नहीं है, बल्कि यह बताती है कि मित्रता का मूल्य धन, पद और वैभव से कहीं ऊपर है। श्रीराम और विभीषण की मित्रता यह संदेश देती है कि सत्य और धर्म के आधार पर स्थापित संबंध कभी नष्ट नहीं होते। इतिहास में ऐसी अनेक मित्रताएं हमें यह सिखाती हैं कि सच्चा मित्र वही है जो हमारे व्यक्तित्व का विस्तार बने, हमारे विवेक को जागृत करे और कठिन समय में हमारा संबल बने। किन्तु आज एक गंभीर प्रश्न हमारे सामने है-यदि मित्रता इतनी महान है तो समाज में वैमनस्य, हिंसा, घृणा और अविश्वास क्यों बढ़ रहा है? परिवारों में संवाद क्यों टूट रहा है? विचारों का मतभेद मनभेद में क्यों बदल जाता है? सोशल मीडिया पर हजारों 'फॉलोअर्स' होने के बावजूद मनुष्य भीतर से इतना अकेला क्यों है?

इसका सबसे बड़ा कारण यह है कि हमने संबंधों को सुविधा का साधन बना लिया है। आज मित्रता भी स्वार्थ, उपयोगिता और अवसरवाद के तराजू पर तौली जाने लगी है। जब तक लाभ है तब तक मित्रता है, लाभ समाप्त होते ही संबंध भी समाप्त हो जाते हैं। ऐसी क्षणिक मित्रता वास्तव में केवल परिचय होती है, आत्मीयता नहीं। जहां स्वार्थ प्रवेश करता है, वहां विश्वास धीरे-धीरे समाप्त होने लगता है। तकनीक ने हमें जोड़ने का दावा किया, लेकिन उसने संवाद की आत्मा भी कहीं छीन ली। आज लोग घंटों मोबाइल स्क्रीन पर सक्रिय रहते हैं, परंतु अपने परिवार और मित्रों के साथ कुछ मिनट भी मन से नहीं बैठ पाते। इमोजी ने भावनाओं का स्थान ले लिया है और 'ऑनलाइन' रहने वाला व्यक्ति वास्तविक जीवन में भावनात्मक रूप से 'ऑफलाइन' होता जा रहा है। यही कारण है कि अकेलापन आज विश्व स्वास्थ्य की सबसे बड़ी चुनौतियों में गिना जाने लगा है।

विश्व के अनेक देशों में युद्ध, आतंकवाद, धार्मिक कट्टरता, नस्लीय भेदभाव और आर्थिक प्रतिस्पर्धा ने मनुष्यों के बीच दीवारें खड़ी कर दी हैं। ऐसे वातावरण में मित्रता केवल व्यक्तिगत सुख का माध्यम नहीं, बल्कि विश्व शांति की आवश्यकता बन गई है। यदि राष्ट्र मित्रता की भाषा सीख लें, यदि समाज संवाद का मार्ग अपनाए और यदि व्यक्ति दूसरे के दुःख को अपना दुःख समझने लगे तो अनेक संघर्ष स्वतः समाप्त हो सकते हैं। मित्रता का वास्तविक अर्थ केवल साथ घूमना, हँसना और उत्सव मनाना नहीं है। मित्रता का अर्थ है दूसरे के सम्मान की रक्षा करना, उसकी अनुपस्थिति में भी उसके प्रति निष्ठावान रहना, उसकी कमियों को स्वीकार करते हुए उसके विकास में सहयोग देना तथा आवश्यकता पड़ने पर सत्य कहने का साहस रखना। जो मित्र केवल प्रशंसा करता है, वह हितैषी नहीं हो सकता। सच्चा मित्र वह है जो समय आने पर हमारी भूलों का भी निष्पक्ष संकेत करे।

आज आवश्यकता मित्रता की नई परिभाषा गढ़ने की है। मित्रता प्रेम से आगे बढ़कर करुणा का पर्याय बने। प्रेम में कभी-कभी अधिकार और अपेक्षाएं जन्म लेती हैं, जबकि करुणा में केवल समर्पण और परमार्थ होता है। जब मित्रता करुणा पर आधारित होती है, तब उसमें ईर्ष्या, प्रतिस्पर्धा और स्वार्थ के लिए कोई स्थान नहीं बचता। यदि हम अपने जीवन में कुछ सरल सूत्रों को अपनाएं तो मित्रता का यह संबंध अधिक सशक्त बन सकता है एक-दूसरे की अच्छाइयों और कमियों को सहजता से स्वीकार करना, संवाद को कभी समाप्त न होने देना, विश्वास और पारदर्शिता बनाए रखना, कठिन समय में साथ खड़ा रहना तथा मित्रता को समय देना। संबंध समय मांगते हैं, केवल संदेश भेजने से आत्मीयता नहीं बनती। अंतर्राष्ट्रीय मित्रता दिवस विशेष रूप से युवाओं के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। आज की पीढ़ी डिजिटल माध्यमों से दुनिया भर से जुड़ रही है। यदि यही युवा विविध संस्कृतियों, भाषाओं और परंपराओं का सम्मान करते हुए वैश्विक मित्रता का संदेश फैलाएं तो आने वाला विश्व अधिक शांतिपूर्ण और मानवीय हो सकता है। विद्यालयों, विश्वविद्यालयों, सामाजिक संस्थाओं और धार्मिक संगठनों को ऐसे कार्यक्रम आयोजित करने चाहिए जो संवाद, सहयोग और सह-अस्तित्व की भावना को मजबूत करें।

जैन आचार्यों ने मैत्री, प्रमोद, करुणा और मध्यस्थ जैसे चार भावों के माध्यम से मानव संबंधों का अद्भुत दर्शन प्रस्तुत किया है। यदि प्रत्येक व्यक्ति अपने मन में केवल मैत्री का भाव विकसित कर ले तो न घृणा बचेगी, न हिंसा और न ही वैमनस्य। महावीर का संदेश-'सभी जीव मेरे मित्र हैं, किसी से मेरा वैर नहीं'-आज के विश्व के लिए सबसे प्रासंगिक जीवन-दर्शन है। यह भी स्मरण रखना होगा कि मित्रता केवल समान विचारों वालों के बीच नहीं होती। विचार-भिन्नता स्वाभाविक है, लेकिन मन-भिन्नता विनाशकारी है। विचार-भेद से नए विचार जन्म लेते हैं, जबकि मन-भेद रिश्तों को तोड़ देता है। लोकतंत्र हो या परिवार, संस्था हो या समाज-जहाँ संवाद जीवित रहता है, वहाँ मित्रता भी जीवित रहती है।

आज जब रिश्तों की जमीन सूख रही है, संवेदनाएं बिखर रही हैं और मनुष्य स्वयं को भीड़ में भी अकेला महसूस कर रहा है, तब अंतर्राष्ट्रीय मित्रता दिवस हमें याद दिलाता है कि दुनिया को सबसे अधिक आवश्यकता नई तकनीक की नहीं, बल्कि नए विश्वास की है, नई प्रतिस्पर्धा की नहीं बल्कि नई करुणा की है, नई शक्ति की नहीं बल्कि नई मित्रता की है। हम अपने जीवन में कम-से-कम एक ऐसा संबंध अवश्य बनाएं जिसमें स्वार्थ नहीं, विश्वास हो। अपेक्षा नहीं, अपनापन हो। अधिकार नहीं, सम्मान हो और केवल साथ चलने का नहीं, साथ निभाने का संकल्प हो। यही मित्रता की सच्ची साधना है, यही मानवता की सबसे बड़ी आवश्यकता है और यही विश्व शांति का सबसे विश्वसनीय मार्ग भी है।

(लेखक, पत्रकार, स्तंभकार)

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

## संक्षिप्त समाचार

### बीजिंग में भारत-चीन बैठक संबंधों को सुधारने पर जोर

**बीजिंग , एजेंसी।** भारत और चीन के बीच संबंधों को फिर से सामान्य बनाने और आपसी विश्वास बढ़ाने के प्रयासों के तहत विदेश सचिव विक्रम मिसरी अपनी आधिकारिक यात्रा पर चीन पहुंचे हैं। यात्रा के पहले दिन सोमवार को उन्होंने बीजिंग में चीनी कम्युनिस्ट पार्टी के अंतरराष्ट्रीय विभाग की उप-मंत्री सुन हायान से मुलाकात की। इस दौरान दोनों के बीच द्विपक्षीय संबंधों को मजबूती देने पर विस्तार से चर्चा हुई। बीजिंग स्थित भारतीय दूतावास ने एक सोशल मीडिया पोस्ट में कहा कि दोनों अधिकारियों के बीच आपसी प्राथमिकता वाले मुद्दों को सुलझाने पर सहमति बनी। इसके अलावा, दोनों देशों के बीच राजनीतिक वार्ता, थिंक-टैंक जुड़ाव, अकादमिक आदान-प्रदान और आम लोगों के बीच आपसी संपर्क को और मजबूत करने के उपायों पर विस्तृत चर्चा हुई। चीन में भारत के राजदूत रह चुके मिसरी ने चीन की राष्ट्रीय राजनीतिक सलाहकार संस्था के उप-महासचिव होंग लियांग से भी मुलाकात की। इस बैठक में भी दोनों के बीच राजनीतिक और जन-स्तरीय संबंधों को और मजबूत करने पर चर्चा हुई।

### यूक्रेन को ड्रोन-रोधी एआई तकनीक देगा ब्रिटेन

**लंदन, एजेंसी।** यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने सोमवार को इंग्लैंड के एक नौसैनिक अड्डे पर ब्रिटेन के प्रधानमंत्री एंडी बर्नहैम से मुलाकात की। प्रधानमंत्री बनने के बाद किसी विदेशी नेता का यह उनका पहला दौरा रहा। बर्नहैम ने कहा कि ब्रिटेन यूक्रेन के साथ मजबूती से खड़ा है और न्यायसंगत शांति स्थापित होने तक उसका समर्थन जारी रहेगा। इस दौरान ब्रिटेन ने यूक्रेन को अत्याधुनिक 'स्टोन क्लॉक' इलेक्ट्रॉनिक वारफेयर तकनीक के बौद्धिक संपदा अधिकार सौंपने की घोषणा की। यह तकनीक दुश्मन के ड्रोन को भटकाने और नाकाम करने में सक्षम है। दोनों नेताओं ने ब्रिटेन में तीन सप्ताह का सैन्य और समुद्री बारूदी सुरंग रोधी प्रशिक्षण पूरा करने वाले 200 से अधिक यूक्रेनी सैनिकों से भी मुलाकात की।

### पाकिस्तान में शादी का प्रस्ताव ठुकराने पर किशोरी की गोली मारकर हत्या

**इस्लामाबाद, एजेंसी।** पाकिस्तान के पंजाब प्रांत में शादी का प्रस्ताव ठुकराने पर 17 वर्षीय किशोरी की उसके चचेरे भाई ने गोली मारकर हत्या कर दी। पुलिस के अनुसार, यह घटना शनिवार को ननकाना साहिब जिले में हुई। आरोपी जावेद इकबाल अपनी चचेरी बहन से शादी करना चाहता था, लेकिन उसने प्रस्ताव ठुकरा दिया। बाजार जाते समय आरोपी ने उसे रोककर दोबारा शादी के लिए दबाव बनाया। मना करने पर उसने नजदीक से गोली मार दी, जिससे किशोरी की मौके पर ही मौत हो गई। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। वहीं, एक अन्य घटना में रहीम यार खान जिले में 23 वर्षीय युवक का कथित प्रेम संबंध होने पर अपहरण कर उसकी नाक काट दी गई। इस मामले में तीन लोगों को गिरफ्तार किया गया है।

### अमेरिका में सरकारी किराना स्टोर प्लान : न्यूयॉर्क सिटी मेयर बोले- खाद्य पदार्थों पर 30 फीसदी छूट

**न्यूयॉर्क , एजेंसी।** न्यूयॉर्क सिटी के मेयर जोहरान ममदानी ने सरकारी किराना स्टोर खोलने की योजना बनाई है। सोमवार को उन्होंने फल, मांस व अन्य रसोई के सामान पर 30 फीसदी छूट की घोषणा की। उद्देश्य बढ़ती खाद्य कीमतों को कम करना है। पांच स्टोर शहर के पांचों बरो में खुलेंगे। पहला 2027 के अंत तक ब्रोंक्स में खुलेगा। ममदानी ने कहा, 30 फीसदी छूट से न्यूयॉर्क के लोगों को वास्तविक बचत होगी। दैनिक संचालन के लिए निजी ऑपरेटरों को चुनने की प्रक्रिया शुरू हुई है। प्रशासन स्टोरफ्रंट, किराया व संपत्ति कर का वहन करेगा। छोटे किराना व्यापारी व बोडेगा मालिक रियायती कीमतों से प्रतिस्पर्धा पर चिंतित हैं। ममदानी ने कहा, स्टोर गर्म भोजन, बीयर या सिगरेट नहीं बेचेंगे, ताकि निजी दुकानों से प्रतिस्पर्धा न हो। मैनहट्टन और ब्रोंक्स में जगह चुन ली गई है।

### 100 साल पुराने घर में छिपा था गुप्त कमरा, खोलते ही मिला खजाना ; हो गए मालामाल

**लंदन, एजेंसी।** यूके में एक दंपती को अपने 100 साल पुराने घर में एक गुप्त कमरा मिल गया जिसमें खजाना छिपा हुआ था। 34 साल की लीजा और उनके पति छुट्टियों में अपने पैतृक घर गए थे। यह घर लंबे समय से बंद था और वे दोनों शहर में रहने लगे थे। साफ सफाई के दौरान उन्हें फर्श पर एक जगह ईंट उठी हुई दिखी तो उन्होंने इसे हटाया। अंदर एक कमरे जैसा दिखी दिया। इसके बाद दोनों ने इसे खोलने का फैसला किया। एक दीवार तोड़ने के बाद उन्हें अपने ही घर में एक गुप्त कमरा मिला। इस कमरे में चारों ओर कोयला ही कोयला दिखाई दे रहा था। दोनों ने सोचा कि पुराना कमरा है और इसकी साफ-सफाई करदी जाए। कोयला साफ करते समय उन्हें एक टिन बॉक्स मिला जिसमें जंग लगा हुआ था।

# फ्रांस के जंगलों में भीषण तबाही: मैक्रों बोले- 'हम मिलकर जीतेंगे यह लड़ाई'

**पेरिस, एजेंसी।** फ्रांस, स्पेन और इटली इस समय भीषण जंगल की आग से जूझ रहे हैं। फ्रांस में राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने प्रभावित क्षेत्रों का दौरा कर दमकलकर्मियों का हौसला बढ़ाया और इसे दूसरे विश्व युद्ध के बाद का सबसे बड़ा अग्नि संकट बताया। फ्रांस और स्पेन में अब तक 3.30 लाख से अधिक लोगों को घर छोड़ने पड़े हैं। स्पेन में इतिहास की सबसे बड़ी जंगल की आग दर्ज की गई है, जबकि लगातार पड़ रही हीटवेव और जलवायु परिवर्तन ने हालात को और गंभीर बना दिया है।

**हालात इतने खराब कैसे हुए :** दक्षिण-पश्चिम फ्रांस में आग बुझाने के लिए बनाए गए समन्वय केंद्र (कोऑर्डिनेशन सेंटर) के दौरे के दौरान मैक्रों ने अधिकारियों से पूरी स्थिति की जानकारी ली। उन्हें बताया गया कि पिछले सप्ताह से धधक रही आग बेहद अनिश्चित रही है। कई बार इसने खुद ही फैलने वाले 'फायर स्टॉर्म' यानी आग के तूफान का रूप ले लिया। इस आग ने पेरिस से लगभग चार गुना बड़े क्षेत्र को अपनी चपेट में ले लिया और करीब 2.20 लाख लोगों को अपने घर छोड़ने पर मजबूर कर दिया।

**मैक्रों ने इसे दूसरे विश्व युद्ध के बाद का सबसे बड़ा संकट क्यों बताया :** मैक्रों ने कहा कि हम ऐसी आग का सामना कर रहे हैं, जैसी पहले कभी नहीं देखी गई।' उन्होंने इसे दूसरे विश्व युद्ध के बाद फ्रांस में आग से जुड़ा सबसे बड़ा संकट बताया। राष्ट्रपति ने लगातार कई दिनों तक कठिन परिस्थितियों में काम करने वाले दमकलकर्मियों की सराहना की, जिन्होंने सोमवार तक आग के आगे बढ़ने की रफ्तार को रोकने में सफलता हासिल की। हालांकि उन्होंने चेतावनी दी कि जंगलों में अब भी कई जगह आग सुलग रही है और खतरा पूरी तरह टला नहीं है। आने वाले सप्ताह बेहद चुनौतीपूर्ण होंगे।

**क्या हीटवेव आग पर काबू पाने में सबसे बड़ी चुनौती बनेगी :** हजारों दमकलकर्मी और पानी व अग्निरोधी रसायन गिराने वाले विमान लगातार अभियान में जुटे हुए हैं। राहत कार्य समय के खिलाफ दौड़ बन चुका है, क्योंकि मौसम विभाग ने चेतावनी दी है कि आने वाली हीटवेव आग बुझाने के प्रयासों को और कठिन बना सकती है। राष्ट्रीय मौसम विभाग के अनुसार मंगलवार को दक्षिण-पश्चिम फ्रांस में तापमान 35 डिग्री सेल्सियस से ऊपर रहने की संभावना है, जबकि बुधवार को इससे भी अधिक गर्मी पड़ सकती है।

**क्या फिलहाल आग पर कुछ हद तक काबू पाया जा सका है :** क्षेत्रीय प्रशासन के मुताबिक सोमवार रात तक स्थिति 'कुल मिलाकर स्थिर' रही, जो पिछले कुछ दिनों की तुलना में राहत देने वाली खबर है। इससे पहले आग बोर्डो शहर के बाहरी हिस्सों से महज 15 किलोमीटर दूर तक पहुंच गई थी। लगभग 2.68 लाख आबादी वाले इस ऐतिहासिक शहर के आसपास आग ने बिजली जैसी चमक के साथ 'फायर स्टॉर्म' पैदा किए, जिससे कई नई जगहों पर आग भड़क उठी।

**क्या लोगों को अभी भी घर छोड़ने की जरूरत पड़ रही है :** सोमवार को किसी नए इलाके को खाली कराने की घोषणा नहीं की गई। हालांकि अगस्त में शुरू होने वाले पर्यटन सीजन को देखते हुए गिरोंडे क्षेत्र के प्रशासन ने बच्चों और दिव्यांग लोगों के लिए संचालित होने वाले हॉलिडे कैंपों पर रोक लगा दी है, ताकि जोखिम वाले इलाकों में पर्यटकों की आवाजाही सीमित की जा सके।

**आग को रोकने के लिए जमीन पर कैसी तैयारी की जा रही है :** आग की रफ्तार रोकने के लिए भारी अर्थ-मूवर मशीनों से जंगल और झाड़ियों के बीच खाली पट्टियां बनाई जा रही हैं, ताकि आग आगे न बढ़ सके। किसान भी पानी के टैंकरों के जरिए दमकल टीमों तक लगातार पानी पहुंचा रहे हैं और राहत अभियान में सहयोग कर रहे हैं।

**कौन-कौन से देश फ्रांस और स्पेन की मदद के लिए आगे आए हैं :** करीब एक दर्जन देशों ने फ्रांस और स्पेन को विमान, हेलीकॉप्टर, दमकलकर्मी और अन्य संसाधन उपलब्ध कराए हैं। दोनों देशों में लगी भीषण आग के कारण अब तक 3.30 लाख से अधिक लोगों को अपने घर छोड़ने पड़े हैं। स्पेन में मैड्रिड के आसपास और वालेंसिया क्षेत्र में जंगल की आग लगातार फैल रही है। प्रशासन ने 79 हजार लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया है, जबकि 30 हजार लोगों को एहतियातन घरों के भीतर ही रहने के निर्देश दिए गए हैं। फ्रांस और स्पेन, दोनों देशों में इस वर्ष समय से पहले और अत्यधिक तीव्र हीटवेव देखने को मिली। इससे जंगल और झाड़ियां पूरी तरह सूख गईं और आग तेजी से फैलने लगी। इन हालात के बीच जलवायु परिवर्तन के खिलाफ सख्त कदम उठाने की मांग तेज हो गई है।

## ट्रंप ने फिर छेड़ी ईवी बनाम पेट्रोल कार की बहस ?: पूर्व राष्ट्रपति बाइडन की नीति पर साधा निशाना, दी बड़ी चेतावनी

**वॉशिंगटन , एजेंसी।** अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एक बार फिर इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी) नीति पर सवाल उठाए हैं। उन्होंने कहा कि उपभोक्ताओं को इलेक्ट्रिक और इंटरनल कंबशन इंजन (पेट्रोल-डीजल) वाले वाहनों में अपनी पसंद से चुनाव करने की पूरी आजादी होनी चाहिए। ट्रंप का दावा है कि उनकी सरकार ने पूर्व राष्ट्रपति जो बाइडन की ईवीनीति और ईंधन दक्षता मानकों को समाप्त कर अमेरिकी ऑटो उद्योग को नुकसान से बचाया।

**ट्रंप ने ईवी नीति पर क्या कहा :** मिशिगन में जनरल मोटर्स के मिलफोर्ड प्रूविंग ग्राउंड के दौरे के दौरान ट्रंप ने कहा कि उन्होंने अपने कार्यकाल के पहले दिन ही बाइडन की इलेक्ट्रिक वाहन नीति को खत्म कर दिया था। उनके अनुसार, यदि वह नीति जारी रहती तो अमेरिकी ऑटो उद्योग को भारी नुकसान होता। उन्होंने कहा कि यदि कोई इलेक्ट्रिक कार खरीदना चाहता है तो उसके लिए विकल्प मौजूद हैं, लेकिन यदि कोई पेट्रोल-डीजल या अन्य प्रकार का वाहन खरीदना चाहता है तो उसे भी वही स्वतंत्रता मिलनी चाहिए।

**रोजगार को लेकर ट्रंप ने क्या चिंता जताई :** ट्रंप ने कहा कि इलेक्ट्रिक कारों के निर्माण में पारंपरिक वाहनों की तुलना में कम कर्मचारियों की जरूरत पड़ती है। उन्होंने कहा कि इससे मिशिगन जैसे उन राज्यों में रोजगार प्रभावित हो सकता है, जहां बड़ी संख्या में लोग ऑटोमोबाइल उद्योग पर निर्भर हैं। ट्रंप ने कहा कि उन्होंने बाइडन प्रशासन के कॉरपोरेट एवरेज फ्यूल इकॉनमी (CAFE) मानकों को भी समाप्त कर दिया। उनके अनुसार, ये मानक अमेरिकी वाहन कंपनियों को दिवालिया होने की ओर ले जा सकते थे और इंटरनल कंबशन इंजन वाले वाहनों के भविष्य पर भी खतरा पैदा कर सकते थे। उन्होंने कहा कि जब तक वह राष्ट्रपति हैं, ऐसा नहीं होने देंगे।

**टैरिफ और घरेलू उत्पादन पर क्या बोले :** ट्रंप ने कहा कि उनकी सरकार ने अमेरिका के बाहर बनने वाले वाहनों और ट्रकों पर 25 प्रतिशत टैरिफ लगाया है, जबकि देश में निर्मित वाहनों पर यह लागू नहीं होता। उन्होंने दावा किया कि इसी वजह से कंपनियां अमेरिका में उत्पादन बढ़ा रही हैं। उन्होंने जनरल मोटर्स की सराहना करते हुए कहा कि कंपनी ने 2026 में ट्रक और एसयूवी उत्पादन में 20 प्रतिशत की वृद्धि की है और पिछले दो वर्षों में अमेरिका में फैक्ट्रियां वापस लाने के लिए 9 अरब डॉलर का निवेश किया है। बाइडन प्रशासन ने स्वच्छ ऊर्जा को बढ़ावा देने के उद्देश्य से उत्सर्जन और ईंधन दक्षता से जुड़े कड़े मानक लागू किए थे। इन नीतियों में सभी नए वाहनों को इलेक्ट्रिक बनाना अनिवार्य नहीं था।

## नाइजीरिया में आधी रात बंदूकधारियों का खूनी हमला, 30 से ज्यादा लोगों की मौत... पूरे इलाके में मचा हड़कंप

**अबूजा , एजेंसी।** नाइजीरिया के उत्तरी राज्य कडुना में रविवार देर रात अज्ञात बंदूकधारियों ने एक समुदाय पर हमला किया, जिसमें बच्चों समेत 30 से ज्यादा लोगों की मौत हो गई। इस हमले की पुष्टि स्थानीय मीडिया ने सोमवार को करते हुए घटना की पूरी जानकारी दी। नाइजीरिया के अखबार 'द पंच न्यूजपेपर्स' के अनुसार, कौरू लोकल गवर्नमेंट एरिया के नारिडोन समुदाय में बंदूकधारियों ने गोलीबारी की और घरों के साथ ही दुकानों में भी आग लगा दी, जिससे कई निवासी घायल हो गए। इनमें कई लोगों की हालत गंभीर है।

**आधी रात को हुआ अचानक हुआ हमला :** अखबार ने कम्युनिटी लीडर्स के हवाले से बताया कि हमला रविवार को स्थानीय समयानुसार रात लगभग 11:00 बजे शुरू हुआ। सिन्हुआ समाचार एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार, हमले में घायल कई लोगों की हालत गंभीर बनी हुई है। इस कारण मरने वालों की संख्या बढ़ सकती है। इस हमले में स्थानीय निवासी डोगोन राना का घर भी नष्ट कर दिया गया। उन्होंने पत्रकारों को बताया कि बंदूकधारियों ने दूरदराज के समुदाय को घेर लिया और अंधाधुंध हमला किया। हमले का मकसद अभी स्पष्ट नहीं है और स्थानीय पुलिस ने अभी तक इस घटना पर कोई टिप्पणी नहीं की है।

कडुना राज्य में हाल के वर्षों में हिंसक हमलों की कई घटनाएं हुई हैं, जिनमें सांप्रदायिक झड़पें भी शामिल हैं। इस बीच, स्थानीय अधिकारियों ने सोमवार को बताया कि नाइजीरिया के दक्षिणी राज्य अनाम्ब्रा में रविवार देर रात तीन मंजिला इमारत गिरने के बाद दर्जनों लोगों के फंसे होने की आशंका है। अनाम्ब्रा राज्य में पुलिस के प्रवक्ता टोचुकु इकेन्गा ने फोन पर सिन्हुआ को बताया कि 'एलीट फाइव स्टार लॉज' नाम की इमारत के मलबे से कई घायल लोगों को बचाया गया है। इस इमारत में मुख्य रूप से अनाम्ब्रा में फेडरल पॉलिटेक्निक ओको के छात्र रहते थे। इकेन्गा ने कहा कि सोमवार को बचाव अभियान जारी रहा और आपातकालीन बचाव दल मलबे के नीचे फंसे लोगों का पता लगाने की कोशिशें तेज कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि उन्हें आशंका है कि अभी भी कई लोग फंसे हुए हैं। स्थानीय सूत्रों ने बताया कि इस इमारत में आम तौर पर शैक्षणिक संस्थान के छात्रों की भीड़ रहती है।

## ट्रंप की धमकी के बाद दहला ईराक; एरबिल में अमेरिकी दूतावास के पास ड्रोन हमले, अलर्ट पर अमेरिकी सेना

**बगदाद, एजेंसी।** मिडिल ईस्ट में तनाव एक बार फिर चरम पर पहुंच गया है। मंगलवार तड़के उत्तरी इराक का एरबिल शहर जोरदार धमाकों की आवाजों से थर्रा उठा। शुरुआती रिपोर्ट्स के अनुसार, अमेरिकी वाणिज्य दूतावास के बेहद करीब हुए इन विस्फोटों के पीछे ईरान समर्थित ड्रोन हमलों की आशंका जताई जा रही है। यह घटनाक्रम ऐसे समय में सामने आया है जब ईरान और अमेरिका के बीच संवेदनशील कूटनीतिक वार्ताएं चल रही हैं।

**दूतावास के पास अफरा-तफरी, कई इलाकों में आग :** स्थानीय पुलिस और अंतरराष्ट्रीय मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, एरबिल के उत्तर-पूर्व में स्थित खलिफान और सोरान क्षेत्रों में कम से कम चार ड्रोन हमले दर्ज किए गए। लोगों ने बताया कि एरबिल शहर में एक के बाद एक करीब सात धमाके सुने गए, जिनमें से कुछ अमेरिकी वाणिज्य दूतावास के आसपास हुए। इन हमलों के बाद प्रभावित क्षेत्रों में भीषण आग लग गई और आसमान में धुएं का गुबार देखा गया। फुटेज में इराकी कुर्दिस्तान के ऊपर सक्रिय एयर डिफेंस सिस्टम की गतिविधियां भी नजर आई हैं।

**अलर्ट पर अमेरिकी सेना :** हमले की गंभीरता को देखते हुए क्षेत्र में अमेरिकी सैन्य गतिविधियां अचानक तेज हो गई हैं। पुलिस सूत्रों का दावा है कि धमाकों के तुरंत बाद एरबिल के आसमान में 10 से अधिक अमेरिकी लड़ाकू विमान और ड्रोन गश्त करते देखे गए। हालांकि, पेंटागन या अन्य अमेरिकी अधिकारियों की ओर से अभी तक किसी जानी-नुकसान या जवाबी कार्रवाई की आधिकारिक पुष्टि नहीं की गई है।

**गैस क्षेत्र को भी बनाया गया निशाना :** ईरान के सरकारी प्रसारक IRIB ने दावा किया है कि यह हमला केवल एरबिल तक सीमित नहीं था। खबरों के मुताबिक, सुलेमानिया प्रांत के खोर मोर गैस क्षेत्र पर भी हमला हुआ है। इसके अलावा, अल-अनबर प्रांत में एक अमेरिकी ड्रोन को मार गिराने का दावा किया गया है, जिसके मलबे की तस्वीरें हदीथा बांध के पास से सामने आने की बात कही जा रही है।

**ट्रंप की चेतावनी और वार्ता की अनिश्चितता :** यह हमला अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के उस बयान के कुछ ही घंटों बाद हुआ है, जिसमें उन्होंने बातचीत विफल होने पर कड़ी सैन्य कार्रवाई की चेतावनी दी थी। वर्तमान में ओमान, कतर, पाकिस्तान और मिस्र जैसे देश अमेरिका और ईरान के बीच मध्यस्थता कर रहे हैं, ताकि स्ट्रेट ऑफ होर्मुज को सुरक्षित रखा जा सके और परमाणु समझौते पर सहमति बन सके। लेकिन एरबिल में हुए इन हमलों ने शांति की इन कोशिशों पर सवालिया निशान लगा दिया है।

## टोरंटो में अमेरिका कॉन्सुलेट को इस साल दूसरी बार गोलियों से निशाना बनाया गया, पुलिस जांच जारी

**टोरंटो, एजेंसी।** उत्तरी अमेरिका के टोरंटो में अमेरिकी कॉन्सुलेट को सोमवार को इस साल दूसरी बार गोलियों से निशाना बनाया गया. हमलावर गोलीबारी के बाद फरार हो गया. इस हमले के कारणों का पता नहीं चल पाया है. पुलिस हमलावर की तलाश में जुट गई है. सीबीसी न्यूज के मुताबिक कॉन्सुलेट के पास रेगुलर पेट्रोलिंग कर रहे एक ऑफिसर ने सुबह करीब 4:45 बजे इलाके में गोलियों की आवाज सुनी. ऑफिसर 10 मार्च को उस जगह पर हुई पिछली शूटिंग के बाद वहां तैनात थे.

रिपोर्ट के मुताबिक टोरंटो पुलिस के डिप्टी चीफ फ्रैंक बैरेडो ने कहा कि ऑफिसर ने तुरंत एक सफेद होंडा अकॉर्ड को बिना लाइसेंस प्लेट के उस जगह से तेजी से भागते देखा. ऑफिसर्स ने डॉन मिल्स रोड के पास डॉन वैली पार्कवे पर थोड़ी देर गाड़ी का पीछा किया, लेकिन गाड़ी की स्पीड 140 किलोमीटर प्रति घंटे से ज़्यादा होने के बाद सेफ्टी रिस्क की वजह से पीछा रोक दिया. पीछा करने के दौरान एरियल सपोर्ट मौजूद नहीं था.

घटना पर बात करते हुए डिप्टी चीफ बैरेडो ने कहा, 'हम इस स्थिति को बहुत गंभीरता से लेंगे. उन्होंने शूटिंग को बेशर्मी और घिनौना बताया. सीबीसी न्यूज ने बताया कि पुलिस ने कॉन्सुलेट के पास से एक शेल केसिंग बरामद की और बिल्डिंग के सामने के हिस्से को नुकसान देखा. घटना के संबंध में किसी के घायल होने की खबर नहीं है. सीबीसी न्यूज ने बताया कि अमेरिकी एम्बेसी के एक स्पोक्सपर्सन ने एक ईमेल स्टेटमेंट में टोरंटो पुलिस को उनके तेज रिस्पॉन्स के लिए धन्यवाद दिया. मकसद और गाड़ी में सवार लोगों की संख्या की जांच अभी भी जारी है. टोरंटो पुलिस स्पोक्सपर्सन स्टेफ़नी सेयर ने बताया कि डिपार्टमेंट अभी ओंटारियो प्रोविंशियल पुलिस या डरहम रीजनल पुलिस सर्विस के हेलीकॉप्टर पर निर्भर है, लेकिन इस साल के आखिर में उसे अपना एयरक्राफ्ट मिलने वाला है. सोमवार को रिपोर्टर्स से बात करते हुए टोरंटो की मेयर ओलिविया चाउ ने कहा कि उन्होंने कनाडा के पब्लिक सेफ्टी मिनिस्टर गैरी आनंदसांगरी से शहर में गन वायलेंस और गैर-कानूनी हथियारों की आमद को रोकने के तरीकों के बारे में बात की. मेयर चाउ ने इस शूटिंग को बेशर्म हमला बताया. सीबीसी न्यूज़ के मुताबिक, रॉयल कैनेडियन माउंटेड पुलिस (ऋष्टस्क्क) टोरंटो पुलिस और इंटरनेशनल पार्टनर्स के साथ मिलकर जांच में सहयोग कर रही है. आरसीएमसी सुपरिंटेंडेंट जोनाथन को ने कहा, 'कनाडा में किसी भी व्यक्ति के प्रति धमकी और हिंसा को बहुत गंभीरता से लिया जाता है.' सीबीसी न्यूज ने बताया कि यह घटना 10 मार्च को हुई इसी तरह की घटना के बाद चार महीने से कुछ ज़्यादा समय में डाउनटाउन लोकेशन पर दूसरी शूटिंग है।

## अमेरिका में नाबालिगों के लिए एडिक्टिव एआई चैटबॉट्स पर रोक लगाने वाला विधेयक पेश

**वॉशिंगटन, एजेंसी।** अमेरिका की एक लॉमेकर ने ऐसा विधेयक पेश किया है, जिसके तहत एआई चैटबॉट बनाने वाली कंपनियों को नाबालिगों के लिए ऐसे फीचर उपलब्ध कराने से रोका जाएगा, जो भावनात्मक निर्भरता, अत्यधिक उपयोग और लत को बढ़ावा देते हैं। वर्मोंट से डेमोक्रेटिक प्रतिनिधि बेका बालिंट द्वारा पेश किए गए एडिक्टिव डिज़ाइन एक्ट के तहत उन कंपनियों पर जुर्माना लगाया जाएगा, जो नाबालिगों को एडिक्टिव डिजाइन वाले चैटबॉट उपलब्ध कराती हैं। यह विधेयक ऐसे समय में लाया गया है, जब किशोर मानसिक स्वास्थ्य संबंधी सहायता के लिए तेजी से एआई चैटबॉट्स का उपयोग कर रहे हैं। हालांकि, बालिंट के कार्यालय द्वारा जारी जानकारी के अनुसार, अधिकांश चैटबॉट्स इस तरह से डिजाइन नहीं किए गए हैं कि वे मानसिक स्वास्थ्य संकट से गुजर रहे किसी युवा को सुरक्षित और उचित प्रतिक्रिया दे सकें।

बालिंट ने कहा, तकनीकी कंपनियों ने वर्षों तक यह सीखने में बिताया है कि लोगों का ध्यान कैसे आकर्षित किया जाए और उन्हें अधिकतम समय तक कैसे जोड़े रखा जाए। उन्हें यही रणनीति उन संवेदनशील बच्चों पर लागू करने की अनुमति नहीं दी जानी चाहिए, जो मानसिक स्वास्थ्य संकट के दौरान किसी एआई चैटबॉट का सहारा ले रहे हों। उन्होंने आगे कहा, हम एआई के मामले में वही गलती नहीं दोहरा सकते। इससे पहले कि और परिवार इसके दुष्परिणाम झेलने को मजबूर हों, हमें स्पष्ट नियम, शोध और जवाबदेही सुनिश्चित करनी होगी।

विधेयक के तहत कंपनियों को ऐसे चैटबॉट्स नाबालिगों के लिए उपलब्ध कराने से रोका जाएगा, जिनमें ऐसे फीचर हों जो लत, अस्वस्थ भावनात्मक लगाव या अत्यधिक उपयोग को बढ़ावा देने के लिए जाने जाते हैं।

विधेयक में टाइपिंग बबल्स, अवतार और पिछली बातचीत से प्राप्त व्यक्तिगत जानकारी का संग्रह और उपयोग संभावित रूप से एडिक्टिव फीचर्स के रूप में चिन्हित किए गए हैं। इसके अलावा, बातचीत जारी रखने के लिए आगे और जुड़ाव या भुगतान की अनिवार्यता, दो घंटे से अधिक समय तक बातचीत की अनुमति देना और किसी वास्तविक व्यक्ति का प्रतिरूप प्रस्तुत करना भी इस श्रेणी में शामिल किया गया है। प्रस्तावित प्रावधानों का उल्लंघन करने वाली कंपनियों पर प्रत्येक प्रभावित नाबालिग के लिए 5,000 डॉलर तक का सिविल जुर्माना लगाया जा सकता है।

## पाकिस्तानी रेंजर्स की फायरिंग में 19 की मौत, कई जगह मतपेटियां फूंकीं; तनाव चरम पर

**इस्लामाबाद, एजेंसी।** पाकिस्तान के अवैध कब्जे वाले जम्मू-कश्मीर में सोमवार को विधानसभा चुनाव के पहले चरण के दौरान जबरदस्त खून-खराबा देखने को मिला। एक तरफ पाकिस्तान इसे लोकतांत्रिक प्रक्रिया बता रहा है, वहीं दूसरी ओर स्थानीय लोगों ने बड़े पैमाने पर इन चुनावों का बहिष्कार किया है। इस दौरान हुई हिंसा और पाकिस्तानी रेंजर्स की अंधाधुंध गोलीबारी में कम से कम 19 लोगों की जान चली गई है, जबकि दर्जनों लोग गंभीर रूप से घायल बताए जा रहे हैं।

**रावलकोट में पाक रेंजर्स की बर्बरता :** सबसे भीषण हिंसा रावलकोट इलाके में हुई। सूत्रों और सोशल मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, जब जम्मू-कश्मीर जॉइंट अवामी एक्शन कमेटी के आह्वान पर बड़ी संख्या में प्रदर्शनकारी 'मुजफ्फराबाद चलो' लॉन्ग मार्च निकालने की तैयारी कर रहे थे, तभी पाक रेंजर्स ने उन पर गोलियां चला दीं। इस कार्रवाई में 19 प्रदर्शनकारियों की मौत हो गई।

**भींबर में मतपेटियां फूंकीं :** हिंसा की लपटें केवल रावलकोट तक सीमित नहीं रहीं। भींबर जिले में एक मतदान केंद्र पर अलग-अलग राजनीतिक दलों के कार्यकर्ताओं के बीच हिंसक झड़प हुई। हालात इतने बिगड़ गए कि उपद्रवियों ने एक मतपेटी छीन ली और उसे आग के हवाले कर दिया, जिससे उसमें रखे सभी वोट जलकर राख हो गए। उधर, कोटली जिले के नकयाल में हुई झड़प में पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी के एक कार्यकर्ता मुख्तार यूनुस की मौत की खबर है। पीपीपी ने इस हत्या के लिए अपने राजनीतिक विरोधियों को जिम्मेदार ठहराया है।

**जेएएसी का चुनाव बहिष्कार :** यह चुनाव ऐसे समय में हो रहा है जब पीओके का प्रशासन और नागरिक संगठनों का समूह जेएएसी आमने-सामने हैं। जेएएसी ने शासन की विफलता, आर्थिक तंगी और राजनीतिक सुधारों की मांग को लेकर इन चुनावों के बहिष्कार का ऐलान किया था। संगठन की मुख्य मांग 1947 के बाद यहां बसे शरणार्थियों के लिए आरक्षित 12 सीटों को खत्म करना है। पिछले दो महीनों से जारी इन विरोध प्रदर्शनों के कारण इस्लामाबाद ने इस संगठन पर प्रतिबंध भी लगा दिया था, जिससे जनता में भारी गुस्सा है।

**दमन का नतीजा है यह आक्रोश :** पीओके में जारी इस अस्थिरता पर भारत ने कड़ा रुख अपनाया है। नई दिल्ली ने स्पष्ट रूप से कहा है कि जम्मू-कश्मीर और लद्दाख के पूरे केंद्र शासित प्रदेश भारत के अभिन्न हिस्से हैं। भारत के अनुसार, पीओके में हो रहे प्रदर्शन पाकिस्तान की ओर से दशकों से किए जा रहे व्यवस्थित शोषण और प्रशासनिक दमन का सीधा परिणाम हैं। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने भी हाल ही में कहा था कि अब पाकिस्तान से सिर्फ पीओके पर बात होगी।

**रावलकोट के भयावह हालात: सड़कों पर लाशें और खून :** रावलकोट में पिछले 52 दिनों से चल रहे 'जॉइंट अवामी एक्शन कमेटी' के प्रदर्शनों को कुचलने के लिए पाकिस्तानी बलों द्वारा की गई कार्रवाई ने खौफनाक रूप ले लिया है। स्थानीय लोगों के बयान बेहद डरावने हैं। रावलकोट में मौजूद चश्मदीद और सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर अकील भाई ने वीडियो जारी कर बताया कि वहां हर तरफ लाशें और घायल लोग नजर आ रहे हैं।

# वेल्लोर का अद्भुत श्रीलक्ष्मी नारायणी मंदिर

**जब भी गोल्डन टेंपल का जिक्र होता है, तो सबसे पहले लोगों की जुबां पर पंजाब के अमृतसर का नाम आता है। गोल्डन मंदिर को स्वर्ण मंदिर भी कहा जाता है। गोल्डन टेंपल सिख धर्म का पवित्र तीर्थ स्थल है। हर साल यहां पर लाखों की संख्या में श्रद्धालु मत्था टेकने के लिए आते हैं। लेकिन क्या आप जानते हैं कि भारत में सिर्फ एक ही स्वर्ण मंदिर नहीं है। आपको हैरान होने की जरूरत नहीं है। भारत के तमिलनाडु के वेल्लोर नगर में भी एक स्वर्ण मंदिर है। इसको दक्षिण भारत का स्वर्ण मंदिर कहा जाता है। मान्यता है कि यह मंदिर मां लक्ष्मी को समर्पित है और इसको महालक्ष्मी मंदिर भी कहा जाता है।**

### दक्षिण का स्वर्ण मंदिर

साउथ के गोल्डन टेंपल को बनाने में करीब 1500 किलो सोने का इस्तेमाल हुआ है। यह मंदिर तमिलनाडु के वेल्लूर से करीब 7 किमी की दूरी थिरुमलाई कोडी में स्थित है। अगर आप चेन्नई से इस मंदिर के दर्शन के लिए जाते हैं, तो यहां से दूरी करीब 145 किमी है।

श्रीलक्ष्मी नारायण मंदिर का प्रवेश द्वार मुख्य मंदिर से करीब 1.5 से 2 किमी दूरी पर है। द्वार से चलकर मुख्य मंदिर तक जाने के दौरान आपको चारों ओर हरियाली देखने को मिलेगी।

### लक्ष्मीनारायणी मंदिर की खासियत

तमिलनाडु के वेल्लूर में स्थित लक्ष्मी नारायणी मंदिर के निर्माण में कई किलो सोने का इस्तेमाल हुआ है। बताया जाता है कि जब इस मंदिर का निर्माण हुआ था, तो करीब 300 करोड़ रुपए का खर्च आया था। लक्ष्मी नारायणी मंदिर का मुख्य मंदिर और दीवारें सोने की बनी हैं। इस मंदिर में मां लक्ष्मी की करीब 70 किलो की सोने की ठोस मूर्ति स्थापित है। मंदिर में मां लक्ष्मी की मूर्ति देख ऐसा लगता है कि जैसे साक्षात मां लक्ष्मी मंदिर में विराजमान हैं।

यह मंदिर दिन में चमकता है और रात में इसकी भव्यता देखने लायक होती है। मंदिर के परिसर में 27 फीट ऊंचा दीपमाला है। जब इसमें दीपक जलते हैं, तो सोने की चमक में इसकी सुंदरता शब्दों में बयां नहीं की जा सकती है।

### मंदिर में फहराया जाता है तिरंगा

बता दें कि लोकसभा, राष्ट्रपति भवन और अन्य सरकारी इमारतों की तरह साउथ के गोल्डन टेंपल यानी श्रीलक्ष्मी नारायणी मंदिर पर तिरंगा झंडा फहराया जाता है। यह मंदिर हिंदुओं के लिए नहीं बल्कि सभी धर्म के लोगों के लिए खुला रहता है। माना जाता है कि साल 2007 में इस मंदिर का निर्माण पूरा हुआ था। यह मंदिर इतना फेमस है कि प्राचीन मंदिर की सुंदरता और भव्यता भी इससे पीछे रह जाते हैं।

### ऐसे पहुंचे श्री लक्ष्मी नारायणी मंदिर

अगर आप साउथ के गोल्डन टेंपल यानी श्रीलक्ष्मी नारायणी मंदिर जाना चाहती हैं, तो आप यहां पर हवाई, रेल और सड़क मार्ग से आसानी से पहुंच सकती हैं। यह मंदिर तमिलनाडु के वेल्लोर में स्थित है। ऐसे में अगर आप प्लेन से जाना चाहती हैं, तो निकटतम हवाई अड्डा तिरुपति और चेन्नई का पड़ता है। तिरुपति हवाई अड्डे की दूरी करीब 120 किमी और चेन्नई से करीब 145 किमी दूर है। वहीं अगर आप रेल से जा रही हैं, तो वेल्लोर से करीब का रेलवे स्टेशन कटपडी है। जोकि मंदिर से करीब 7 किमी दूर है।

# केरल की इन हसीन जगहों पर जरूर घूमें

केरल में कपल्स को हिल स्टेशन्स से लेकर समुद्री इलाके सबसे आकर्षिक करते हैं। इसलिए हर महीने दर्जन से भी अधिक कपल्स केरल रोमांटिक वेकेशन पर जाते हैं। अगस्त साल का एक ऐसा महीना है, जब कपल्स केरल में छुट्टियां मनाने के लिए पहुंचते हैं।

जब भी दक्षिण भारतीय राज्यों में घूमने की बात होती है, तो लोग सबसे पहले केरल का नाम लेते हैं। अरब सागर के तट पर स्थित केरल एक बेहद खूबसूरत राज्य है। जहां पर हर दिन हजारों पर्यटक घूमने के लिए पहुंचते हैं। केरल में कपल्स को हिल स्टेशन्स से लेकर समुद्री इलाके सबसे आकर्षिक करते हैं। इसलिए हर महीने दर्जन से भी अधिक कपल्स केरल रोमांटिक वेकेशन पर जाते हैं। अगस्त साल का एक ऐसा महीना है, जब कपल्स केरल में छुट्टियां मनाने के लिए पहुंचते हैं। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको केरल की कुछ रोमांटिक डेस्टिनेशन के बारे में बताने जा रहे हैं। जहां पर आप भी अपने पार्टनर के साथ हसीन पल बिताने के लिए पहुंच सकते हैं।

अल्लेप्पी

अगस्त के महीने में केरल की सबसे खूबसूरत और रोमांटिक जगह घूमने की बात की जाती है, तो कई कपल्स सबसे पहले अल्लेप्पी पहुंचते हैं। यह जगह अपनी खूबसूरती और मेहमान नवाजी के कारण केरल के टॉप हनीमून डेस्टिनेशन माना जाता है।

यह जगह अपने सबसे सुंदर बैकवाटर, लैगून और खूबसूरत बीचेज के लिए जाना जाता है। यहां पर समुद्र तट के किनारे कई ऐसे रिसॉर्ट और विला हैं, जो कपल्स का शानदार वेलकम करते हैं। वहीं आप खूबसूरत बीच के किनारे खुशनुमा सुबह से लेकर हसीन शाम का लुत्फ उठा सकते हैं। वहीं पार्टनर के साथ हाउसबोट्स का भी आनंद ले सकते हैं।

वायनाड

वैसे केरल का मुन्नार तो हर कोई घूमने जाता है, लेकिन अगर आप किसी भीड़-भाड़ से दूर शांत और खूबसूरत हिल स्टेशन को एक्सप्लोर करना चाहते हैं। तो आपको वायनाड को जरूर एक्सप्लोर करना चाहिए। यहां पर आप अपने पार्टनर के साथ रोमांटिक और क्वांटिटी टाइम बिता सकेंगे।

वायनाड एक बेहद शानदार और खूबसूरत हिल स्टेशन है। जोकि अपने चाय-काफी के बागान, हरियाली और शानदार वॉटरफॉल के लिए फेमस है। यहां पर कई ऐसे रिसॉर्ट और विला हैं, जहां पर आप अपने पार्टनर के साथ रोमांटिक पल बिता सकते हैं। इसके अलावा आप यहां पर कुरुवा द्वीप, चेम्बरा पीक और बाणासुर सागर बांध जैसी जगहों को एक्सप्लोर कर सकते हैं।

कोवलम

केरल के सबसे खूबसूरत और लोकप्रिय पर्यटन स्थलों में कोवलम का नाम भी शामिल है। यह अरब सागर के तट पर स्थित है। यहां पर सिर्फ अगस्त के महीने में नहीं बल्कि हर महीने पर्यटक घूमने के लिए पहुंचते हैं। यह जगह अपने अधिक समुद्र तटों और प्राकृतिक सुंदरता के लिए भी जाना जाता है। यहां पर हवा बीच, लाइट हाउस बीच और कोवलम बीच के किनारे कई कपल्स हनीमून के लिए भी पहुंचते हैं।

त्रिशूर

केरल की सांस्कृतिक राजधानी के रूप में फेमस त्रिशूर घूमने के लिहाज से एक परफेक्ट डेस्टिनेशन है। यह केरल का ऐतिहासिक और धार्मिक शहर माना जाता है। त्रिशूर में आपको खूबसूरती से लेकर स्थानीय संस्कृति का बेजोड़ नमूना देखने का मौका मिलेगा। आप यहां पर अथिरापल्ली झरना, वड़ाकुमनाथन मंदिर आदि को भी एक्सप्लोर कर सकते हैं।

# प्रकृति प्रेमियों के लिए जन्नत है जमशेदपुर के आसपास स्थित ये बेहतरीन जगहें, एक दिन में करें एक्सप्लोर

जमशेदपुर के आसपास घूमने के लिए कई जगह तलाश करते हैं। ऐसे में आज हम आपको जमशेदपुर के आसपास की कुछ खूबसूरत और शानदार जगहों के बारे में बताने जा रहे हैं। ऐसे में आप इन जगहों को एक दिन की ट्रिप में एक्सप्लोर कर सकते हैं।

जमशेदपुर झारखंड का सबसे बड़ा शहर है, जो अपनी सुंदरता के लिए जाना जाता है। इस शहर को स्टील सीटी या टाटानगर के नाम से भी जाना जाता है। जमशेदपुर को देश का औद्योगिक शहर भी माना जाता है। यह झारखंड का एक प्रमुख शहर है, लेकिन जब भी यहां पर घूमने की बात होती है, तो बहुत कम जगहें ऐसी हैं, जहां पर पर्यटक घूमने के लिए पहुंचते हैं। इसलिए कई लोग जमशेदपुर के आसपास घूमने के लिए कई जगह तलाश करते हैं। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको जमशेदपुर के आसपास की कुछ खूबसूरत और शानदार जगहों के बारे में बताने जा रहे हैं। ऐसे में आप इन जगहों को एक दिन की ट्रिप में एक्सप्लोर कर सकते हैं।

### डालमा हिल्स

जमशेदपुर में जब भी किसी शानदार और खूबसूरत जगह घूमने की बात होती है, तो कई लोग डालमा हिल्स का सबसे पहले नाम लेते हैं। कई लोग इसको दालमा हिल्स के नाम से भी जानते हैं। यह अपनी प्राकृतिक सुंदरता और लुभावने दृश्यों के लिए भी जाना जाता है। झारखंड के कई शहरों से पर्यटक डालमा में पिकनिक मनाने के लिए भी पहुंचते हैं। यहां पर लोग एडवेंचर एक्टिविटी का भी लुत्फ उठा सकते हैं।

डालमा हिल्स व्यू पॉइंट
दलमा वन्यजीव अभयारण्य
मकुलाकोचा
डालमा माई मंदिर
चांडिम डैम

झारखंड में सुवर्णरेखा नदी पर चांडिम डैम स्थित है। यह राज्य का प्रमुख डैम होने के साथ ही एक फेमस खूबसूरत पर्यटन स्थल भी है। यहां का पानी सिंचाई के अलावा औद्योगिक उपयोग, पेयजल और जलविद्युत उत्पादन के लिए भी इस्तेमाल किया जाता है।

इस डैम को एक फेमस पिकनिक स्पॉट के रूप में भी जाना जाता है। यहां पर कई पर्यटक बोटिंग का और प्रकृति का लुत्फ उठाने के लिए पहुंचते हैं। चांडिम डैम को साइबेरियन पक्षियों का घर भी माना जाता है। मानसून में इस डैम की खूबसूरती अपने चरम पर होती है।

### घाटशिला

जमशेदपुर से करीब 50 किमी की दूरी पर स्थित घाटशिला एक खूबसूरत और प्रमुख पहाड़ी शहर है। यह राज्य के पूर्वी सिंहभूमि जिले में स्थित है। यह खूबसूरत शहर सुवर्णरेखा नदी के किनारे बसा है। झारखंड में घाटशिला को %उत्सवों का शहर% भी माना जाता है। इस जगह को प्रकृति प्रेमियों के लिए स्वर्ग माना जाता है। बुरुडीह झील घाटशिला की शान मानी जाती है।

### यहां घूमें

पांच पांडव स्थल
रंकिणी मंदिर
फूलडुंगरी पहाड़ी
बुरुडीह झील
मुकुटमणिपुर

यह पश्चिम बंगाल की एक बेहद खूबसूरत और मनमोहक जगह है। जोकि झारखंड की सीमा से कुछ दूरी पर स्थित है। कंगसाबती और कुमारी नदियों के संगम पर मुकुटमणिपुर स्थित है। इसके कारण यहां दोनों ही राज्यों से पर्यटक घूमने के लिए पहुंचते हैं। यह जगह प्रकृति प्रेमियों के लिए स्वर्ग माना जाता है। मानसून में मुकुटमणिपुर की खूबसूरती चरम पर होती है।

यहां घूमें मुकुटमणिपुर बांध
परेश नाथ पहाड़ी
हिरण पार्क

# तीन अगस्त से शुरू होगी नोटिस की सुनवाई

## डीएम ने दिये नोटिस वितरण और सुनवाई प्रक्रिया समयबद्ध पूरी करने के निर्देश

**जयन्त प्रतिनिधि। चमोली :** विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम के अंतर्गत निर्वाचक नामावली के प्रकाशन के उपरांत नोटिस वितरण एवं सुनवाई की तैयारियों को लेकर जिलाधिकारी गौरव कुमार ने बुधवार को समीक्षा बैठक आयोजित की। बैठक में निर्वाचन नामावली से संबंधित नोटिसों के वितरण की प्रगति, सुनवाई की कार्ययोजना तथा कार्मिकों की तैनाती की विस्तार से समीक्षा की गई। जिलाधिकारी ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि नोटिस वितरण अभियान में और अधिक तेजी लाई जाए। साथ ही दुर्गम एवं दूरस्थ क्षेत्रों में आवश्यकता के अनुसार विशेष शिविर आयोजित कर नोटिसों के निस्तारण एवं सुनवाई की प्रक्रिया को सरल एवं समयबद्ध बनाया जाए, ताकि किसी भी पात्र मतदाता को असुविधा न हो। बैठक में बताया गया कि जनपद में कुल 63,347 नोटिस जारी किए गए हैं। इनमें बदरीनाथ विधानसभा क्षेत्र में 21,900, थराली विधानसभा क्षेत्र में 19,935 तथा कर्णप्रयाग विधानसभा क्षेत्र में 21,512 नोटिस शामिल हैं। जिलाधिकारी ने सभी संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि प्रत्येक नोटिस का समयबद्ध वितरण सुनिश्चित किया जाए, ताकि निर्धारित

अवधि में सुनवाई की प्रक्रिया प्रभावी ढंग से संपन्न हो सके। सुनवाई की कार्य योजना के अनुसार प्रत्येक मतदेय स्थल के लिए सहायक एवं अतिरिक्त सहायक निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारियों की तैनाती की गई है। इसके अतिरिक्त, जनपद में कार्यरत 633 बीएलओ के सहयोग हेतु 633 अतिरिक्त कार्मिकों की भी तैनाती की गई है, जिससे सुनवाई एवं अभिलेखों के निस्तारण की प्रक्रिया सुचारु रूप से संचालित हो सके। बैठक में बताया गया कि बद्रीनाथ विधानसभा क्षेत्र में 3 अगस्त से 28 अगस्त, थराली विधानसभा क्षेत्र में 3 अगस्त से 31 अगस्त तथा कर्णप्रयाग विधानसभा क्षेत्र में 3 अगस्त से 22 अगस्त तक सुनवाई आयोजित की जाएगी। बैठक में अपर जिलाधिकारी विवेक प्रकाश, सहायक जिला निर्वाचन अधिकारी धीरेन्द्र सती सहित संबंधित अधिकारी एवं कार्मिक उपस्थित रहे।

# डीएम ने किया टनल का निरीक्षण, टनल पूरी तरह सुरक्षित

जयन्त प्रतिनिधि। रूद्रप्रयाग : लगातार हो रही वर्षा के बीच जिलाधिकारी विशाल मिश्रा ने बुधवार को केदारनाथ हाईवे को बद्रीनाथ हाईवे से जोड़ने वाली 910 मीटर लंबी रुद्रप्रयाग बाईपास टनल का स्थलीय निरीक्षण कर स्थिति का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने संबंधित अधिकारियों, तकनीकी विशेषज्ञों एवं भू-वैज्ञानिकों को तत्काल विस्तृत जांच के निर्देश दिए।

जिलाधिकारी ने बताया कि बारिश के कारण टनल के बाहरी स्लोप ट्रीटमेंट क्षेत्र में भूस्खलन हुआ है। इस घटना से टनल के जनरेटर रूम की छत को आंशिक क्षति पहुंची है। उन्होंने स्पष्ट किया कि टनल की संरचना पूरी तरह सुरक्षित है तथा इसके भीतर यातायात सामान्य रूप से संचालित हो रहा है। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने तकनीकी टीम और जियोलॉजिस्ट को प्रभावित स्थल का विस्तृत सर्वेक्षण कर ढलान की स्थिरता का वैज्ञानिक आंकलन करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि परियोजना अभी डिफेक्ट लाइबिलिटी पीरियड में है, इसलिए संबंधित कार्यदायी संस्था द्वारा आवश्यक मरम्मत कार्य एवं स्लोप ट्रीटमेंट दोबारा कराया जाएगा, ताकि भविष्य में इस प्रकार की घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो। जिलाधिकारी ने कहा कि भू-वैज्ञानिकों की टीम अपनी विस्तृत जांच रिपोर्ट प्रस्तुत करेगी, जिसके आधार पर आवश्यक तकनीकी एवं सुरक्षा संबंधी कदम उठाए जाएंगे।

## संक्षिप्त समाचार

### जखोली में नि:शुल्क मोतियाबिंद शिविर 1 को

जयन्त प्रतिनिधि। रूद्रप्रयाग : जिलाधिकारी विशाल मिश्रा के निर्देशन में राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के सौजन्य से राष्ट्रीय दृष्टिविहीनता नियंत्रण कार्यक्रम के अंतर्गत विवेकानंद नेत्रालय, रामकृष्ण मिशन आश्रम, किशनपुर देहरादून के माध्यम से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, जखोली में 01 अगस्त को निःशुल्क मोतियाबिंद ऑपरेशन शिविर का आयोजन किया जा रहा है। उक्त आशय की जानकारी देते हुए मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. सीमा टेकचंदानी ने जनमानस से निःशुल्क मोतियाबिंद शिविर का लाभ उठाने की अपील की है। बताया कि उक्त शिविर से संबंधित अधिक जानकारी के लिए क्षेत्र की आशा फैसिलिटेटर व आशा कार्यकत्री से संपर्क कर सकते हैं।

### सात साल से स्कूल भवन का इंतजार

उत्तरकाशी। मोरी विकासखंड के कलीच गांव में वर्ष 2019 में सड़क निर्माण के दौरान भू–धंसवा होने से प्राथमिक विद्यालय का भवन क्षतिग्रस्त हो गया था। इससे बच्चों को पढ़ने के लिए करीब दो किमी की दूरी तय कर जूनियर हाईस्कूल में जाना पड़ रहा है। इस दौरान जंगल का मार्ग होने के कारण आवाजाही में खतरा बना रहता है। ग्रामीणों का कहना है कि इस संबंध में कई बार विभाग और प्रशासन को लिखित में समस्या बताई गई है लेकिन आज तक किसी प्रकार की कार्रवाई नहीं हुई है।

कलीच के ग्राम प्रधान चंद्रमोहन बजेटा, पवन रावत, करतार सिंह, महेश रावत, मदन सिंह का कहना है कि वर्ष 2019 में लोनिवि की ओर से गांव को जोड़ने वाली सड़क की कटिंग की गई। इस दौरान प्राथमिक विद्यालय के भवन के नीचे से भू–धंसाव होने के कारण क्षतिग्रस्त हो गया था लेकिन सात वर्ष बीतने के बावजूद विद्यालय भवन के निर्माण के लिए किसी प्रकार की कार्रवाई नहीं हो रही है। भवन नहीं होने के कारण गांव के करीब 30 छात्र–छात्राओं को पढ़ने के लिए दो किमी की दूरी तय कर जूनियर हाईस्कूल में जाना पड़ रहा है। चंद्रमोहन ने कहा कि स्कूल जाते हुए जंगल का रास्ता होने के कारण भय बना रहता है। गत वर्ष भी एक छात्रा की पेड़ की टहनी लगने से मौत हो गई थी।

### कांवड़ यात्रा का बदला स्वरूप, यात्रियों की संख्या बढ़ी

उत्तरकाशी। सावन की शिवरात्रि के लिए देश के विभिन्न प्रदेशों से कांवड़ यात्री गंगाजल भरने के लिए गंगोत्री धाम और गोमुख पहुंच रहे हैं। स्थानीय लोगों की माने तो पिछले आठ से दस सालों में कांवड़ यात्रियों की संख्या में भारी बढ़ोत्तरी देखने को मिल रही है। स्थानीय निवासियों का कहना है कि पहले देश के विभिन्न प्रदेशों से आकर पैदल कांवड़ यात्री कांवड़ लेकर जाते थे लेकिन पिछले कुछ वर्षों में डाक कांवड़ के बढ़ते प्रचलन के कारण आस्था के साथ हुड़दंग भी देखने को मिल रहा है। आगामी 11 अगस्त को सावन की शिवरात्रि के लिए देश के विभिन्न प्रदेशों से कांवड़ यात्री गंगोत्री और गोमुख से गंगाजल भरकर ले जा रहे हैं। वहीं, अगस्त की शुरूआत से डाक कांवड़ भी शुरू हो जाएगी। गंगोत्री धाम के पूर्व व्यापार मंडल अध्यक्ष व स्थानीय धमेंद्र राणा कहते हैं कि आज से आठ–दस वर्ष पूर्व तक खड़ी कांवड़ देखने को मिलती थी। विभिन्न प्रदेशों से लोग गंगोत्री और गोमुख पहुंचते थे। वहां से गंगाजल भरकर पैदल ही खड़ी कांवड़ लेकर जाते थे लेकिन अब खड़ी कांवड़ का स्वरूप बदल गया है। साथ ही पहले कांवड़ भंडारों का प्रचलन भी नहीं था लेकिन अब डाक कांवड़ के प्रचलन के दौरान विभिन्न स्थानों पर भंडारों का आयोजन होता है। साथ ही डाक कांवड़ के दौरान डीजे सहित बाइक के साइलेंसर आदि की आवाज के साथ ही कांवड़ यात्रियों का अधिक हुड़दंग देखने को मिलता है। हर्षिल क्षेत्र में सेब के बगीचों को नुकसान पहुंचाने को लेकर पिछले कुछ वर्षों में विवाद की कई घटनाएं हुई है।

# युवाओं के भविष्य की सुरक्षा और पारदर्शी परीक्षा प्रणाली की दिशा में ऐतिहासिक कदम

**जयन्त प्रतिनिधि।**

देहरादून : मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने लोकसभा में पब्लिक एग्जामिनेशन्स (प्रिवेंशन ऑफ अनफेयर मीन्स) संशोधन विधेयक, 2026 पारित होने पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यह देश के करोड़ों मेहनती एवं प्रतिभाशाली युवाओं के भविष्य की सुरक्षा तथा परीक्षा प्रणाली में पारदर्शिता, निष्पक्षता और विश्वसनीयता सुनिश्चित करने की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम है। यह कानून परीक्षा माफियाओं, पेपर लीक गिरोहों और संगठित नकल के विरुद्ध कठोर एवं प्रभावी कार्रवाई को और अधिक सशक्त बनाएगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार ने युवाओं के हितों को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए सार्वजनिक परीक्षाओं की पवित्रता बनाए रखने का जो संकल्प लिया है, लोकसभा में इस संशोधन विधेयक का पारित होना उसी संकल्प का प्रमाण है। इससे देशभर में भर्ती एवं प्रतियोगी परीक्षाओं की विश्वसनीयता और अधिक मजबूत होगी। मुख्यमंत्री ने विश्वास व्यक्त किया कि इस संशोधित कानून के लागू होने से पूरे देश में परीक्षा प्रणाली और अधिक सुदृढ़ होगी तथा योग्य एवं परिश्रमी अभ्यर्थियों का विश्वास और मजबूत होगा। उन्होंने इस ऐतिहासिक पहल के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एवं केंद्र सरकार का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यह निर्णय ह्लनकल मुक्त भारतह्व के संकल्प को नई गति प्रदान करेगा।

# मुख्यमंत्री ने विकास कार्यों के दी 14 करोड़ की वित्तीय स्वीकृति

**जयन्त प्रतिनिधि। देहरादून** : मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने विभिन्न विकास योजनाओं एवं निर्माण कार्यों के लिए 14 करोड़ की वित्तीय स्वीकृति दी है। मुख्यमंत्री ने जनपद पौडी के विधानसभा क्षेत्र यमकेश्वर में विकासखण्ड द्वारीखाल के अन्तर्गत कठुड बडा देवीखाल में स्थित मॉ बाल कुँवारी माता मंदिर का सौन्दर्यीकरण किये जाने हेतु 72.67 लाख की स्वीकृति के सापेक्ष अवशेष धनराशि 39.30 लाख रूपये की धनराशि स्वीकृत की है।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी द्वारा जनपद पिथौरागढ़ के विधानसभा क्षेत्र डीडीहाट के ग्राम पंचायत सिरड के नैनीपातल से ग्राम पंचायत नाघर इण्टर कालेज तक सीसी सम्पर्क मार्ग निर्माण किये जाने हेतु 79.87 लाख, जनपद चम्पावत के विधानसभा क्षेत्र लोहाघाट में विकासखण्ड बाराकोट के स्वतंत्रता संग्राम सेनानी स्वर्गीय कल्याण सिंह अधिकारी के सम्मान में मूर्ति स्थापित किये जाने हेतु 32.49 लाख तथा विधानसभा क्षेत्र चम्पावत के सेलागाड से कोटकेन्द्री तक सम्पर्क मार्ग का निर्माण किये जाने हेतु 40.53 लाख की धनराशि स्वीकृत किये जाने का अनुमोदन प्रदान किया गया है। मुख्यमंत्री द्वारा विधानसभा क्षेत्र पिथौरागढ़ में

मोस्टामानू मन्दिर का सौन्दर्यीकरण किये जाने हेतु अवशेष धनराशि 39.31 लाख, जनपद पिथौरागढ़ के ग्राम कुशैल रसेपाटा स्थित प्राचीन सैम मंदिर का जीर्णोद्धार/सौन्दर्यीकरण किये जाने हेतु 59.80 लाख तथा जनपद अल्मोडा के विधानसभा क्षेत्र जागेश्वर में विकासखण्ड धौलादेवी के न्याय पंचायत क्षेत्र ध्याडी के भेटाबडोली में भीमादेवी मंदिर का सौन्दर्यीकरण किये जाने हेतु 98.50 लाख की धनराशि स्वीकृत किये जाने का अनुमोदन प्रदान किया गया है। जनपद उधमसिंहनगर के विधानसभा क्षेत्र गदरपुर के ग्राम रामबाग हरिपुरा एवं ग्राम पंचाननपुर गांव में कमश गोविन्द मंदिर/धर्मशाला, मसीत मंदिर/धर्मशाला एवं तालाब के पास मंदिर/धर्मशाला का निर्माण किये जाने हेतु 2.54 करोड की स्वीकृति के सापेक्ष प्रथम किश्त में 1.01 करोड़ तथा जनपद अल्मोडा के विधानसभा क्षेत्र सल्ट में मल्ली मनिला मंदिर का सौन्दर्यीकरण किये जाने हेतु 98.80 लाख की धनराशि स्वीकृत किये जाने का अनुमोदन प्रदान किया गया है। मुख्यमंत्री द्वारा विधानसभा क्षेत्र चम्पावत के अन्तर्गत ग्राम पचांयत मैरोली के आन्तरिक मार्गों के इंटरलॉकिंग टाईल्स द्वारा निर्माण एवं ग्राम पंचायत बडपास में आन्तरिक मार्गों के इंटरलॉकिंग टाईल्स द्वारा निर्माण किये जाने हेतु 3.89 करोड़ के सापेक्ष प्रथम किश्त में 1.87 करोड़ के साथ ही अमृत योजना के अन्तर्गत बीजापुर नहर के हैड का सुद्दढ़ीकरण एवं आधुनिकीकरण किये जाने हेतु 4.95 करोड़ की योजना स्वीकृत किये जाने का अनुमोदन प्रदान किया गया है।

# संत सम्मान से सशक्त हुई आध्यात्मिक परंपरा

**जयन्त प्रतिनिधि। रूद्रप्रयाग :** मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी की प्रेरणा से गुरुपूर्णिमा के पावन अवसर पर प्रदेशभर में संत-महात्माओं के सम्मान का कार्यक्रम आयोजित किये गये। इसी क्रम में जनपद रुद्रप्रयाग में जिलाधिकारी विशाल मिश्रा ने रुद्रनाथ महादेव मंदिर पहुंचकर पूज्य श्री स्वामी धर्मानन्द जी महाराज का अंगवस्त्र एवं सम्मान पत्र भेंट कर सम्मान किया।

इस अवसर पर जिलाधिकारी ने कहा कि मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी की मंशा के अनुरूप प्रदेश की आध्यात्मिक एवं सांस्कृतिक विरासत को संरक्षित और सम्मानित करने के उद्देश्य से संत-महात्माओं का सम्मान किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि संत समाज का मार्गदर्शन समाज को सकारात्मक दिशा प्रदान करता है और उनकी प्रेरणा से सेवा, संस्कार एवं राष्ट्र निर्माण की भावना सुदृढ़ होती है। सम्मान प्राप्त करने के उपरांत पूज्य श्री स्वामी धर्मानन्द जी महाराज ने मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि राज्य सरकार प्रदेश के समग्र विकास के साथ-

साथ सनातन संस्कृति और आध्यात्मिक परंपराओं के संरक्षण एवं संवर्धन के लिए भी निरंतर कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री के नेतृत्व में उत्तराखंड विकास के नए आयाम स्थापित कर रहा है तथा जनकल्याण की अनेक योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंच रहा है। उन्होंने प्रदेशवासियों के सुख, समृद्धि एवं उत्तराखंड की निरंतर उन्नति के लिए मंगलकामनाएं भी कीं।

# एसटी क्षेत्र का दर्जा देने और मेडिकल कॉलेज बनाने की मांग उठी

उत्तरकाशी। आगामी विधानसभा चुनाव से पहले कांग्रेस ने सीमांत जनपद को अनुसूचित जनजाति (एसटी) क्षेत्र का दर्जा देने और जनपद में मेडिकल कॉलेज की स्थापना की मांग उठाई है। ब्रह्मखाल में आयोजित कांग्रेस कार्यकर्ता सम्मेलन में वक्ताओं ने कहा कि पार्टी इन दोनों मांगों को पूरी मजबूती से उठाएगी और इन्हें कांग्रेस के चुनावी घोषणापत्र में शामिल कराने का प्रयास किया जाएगा। सम्मेलन में संगठनात्मक मजबूती, मतदाता जागरूकता और आगामी चुनावी रणनीति पर भी विस्तार से चर्चा की गई। सम्मेलन में नवनियुक्त कांग्रेस पदाधिकारियों का स्वागत एवं सम्मान किया गया। साथ ही सेवानिवृत्त कर्मचारियों, ग्राम प्रधानों, पूर्व प्रधानों और कांग्रेस की सदस्यता ग्रहण करने वालों का शॉल ओढ़ाकर अभिनंदन किया गया। सम्मेलन के मुख्य अतिथि पार्टी जिलाध्यक्ष प्रदीप सिंह रावत ने कहा कि उत्तरकाशी की सीमांत स्थिति, विशिष्ट भौगोलिक परिस्थितियों, समृद्ध सांस्कृतिक विरासत और जनजातीय परंपराओं को देखते हुए जनपद को अनुसूचित जनजाति क्षेत्र का दर्जा मिलना चाहिए। उन्होंने कहा कि इससे स्थानीय लोगों के अधिकारों की सुरक्षा, सांस्कृतिक पहचान का संरक्षण और क्षेत्र के समग्र विकास को नई दिशा मिलेगी।

# पूर्व सैनिकों की समस्याओं का प्राथमिकता के आधार पर करें निस्तारण

जयन्त प्रतिनिधि। चमोली : जिलाधिकारी गौरव कुमार की अध्यक्षता में बुधवार को जिला सभागार, गोपेश्वर में जिला सैनिक परिषद की बैठक आयोजित की गई। बैठक में जनपद के पूर्व सैनिकों, सेवारत सैनिकों, वीर नारियों एवं सैनिक विधवाओं से जुड़ी विभिन्न समस्याओं, कल्याणकारी योजनाओं तथा सैनिक सम्मान से जुड़े विषयों पर विस्तार से चर्चा की गई। बैठक के दौरान साहित्यकार मोहन सिंह अकेला द्वारा लिखित पुस्तक स्वतंत्रता पूर्व के युग परिवर्तक गढ़वाली सैनिक का भी विमोचन किया गया। बैठक में जिला सैनिक कल्याण अधिकारी ने बताया कि जनपद में वर्तमान में 11,155 पूर्व सैनिक, 5,195 सैनिक विधवाएं, 98 वीर नारियां तथा 20 द्वितीय विश्व युद्ध वीरांगनाएं पंजीकृत हैं। उन्होंने वर्ष 2025-26 में सैनिक कल्याण विभाग द्वारा संचालित योजनाओं की जानकारी देते हुए बताया कि 23 द्वितीय विश्व युद्ध वीरांगनाओं को 34,08,215 की सहायता, 105 वीरता पदक प्राप्त सैनिकों एवं उनके आश्रितों को 1,37,40,000 का अनुदान तथा छह पूर्व सैनिकों को पुत्री विवाह अनुदान के रूप में 4,50,000 प्रदान किया गया। इसके अतिरिक्त

छात्रवृत्ति, भर्ती पूर्व प्रशिक्षण, पेंशन एवं अन्य कल्याणकारी योजनाओं के माध्यम से भी पात्र लाभार्थियों को लाभान्वित किया गया। जिलाधिकारी ने पूर्व सैनिकों, सेवारत सैनिकों एवं सैनिक विधवाओं को भवन कर में छूट के पात्र लाभार्थियों की संख्या बढ़ाने के लिए आवश्यक कार्रवाई करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि पात्र व्यक्तियों को शासन की सभी सुविधाओं का समयबद्ध लाभ मिलना चाहिए। जनपद में निर्माणाधीन एवं प्रस्तावित 11 शहीद द्वारों की समीक्षा करते हुए जिलाधिकारी ने काण्डेई, मैखोली, फलोदा, मस्ट, सुनाऊ तथा गिरसा में निर्माण कार्यों में तेजी लाने के निर्देश दिए। साथ ही अन्य प्रस्तावित स्थलों पर शीघ्र आगणन तैयार कर कार्य प्रारंभ करने को कहा। बैठक में मोटर मार्गों के नाम परिवर्तन से संबंधित प्राप्त आवेदनों पर भी चर्चा हुई। जिलाधिकारी ने सभी प्रस्तावों पर निर्धारित प्रक्रिया पूर्ण करते हुए शीघ्र कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। बैठक में मुख्य विकास अधिकारी डॉ. अभिषेक त्रिपाठी, कर्नल हरेंद्र सिंह रावत, जिला सैनिक कल्याण अधिकारी कलम सिंह, मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ. अभिषेक गुप्ता सहित पूर्व सैनिक, उनके परिजन एवं विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

# केदारनाथ राष्ट्रीय राजमार्ग को सुचारू रखने के लिए प्रशासन अलर्ट

जयन्त प्रतिनिधि। रूद्रप्रयाग : जनपद में विगत दिनों से हो रही वर्षा के कारण केदारनाथ राष्ट्रीय राजमार्ग-107 पर सिल्ली के समीप पहाड़ी से पत्थर एवं मलबा सड़क पर आ जाने तथा सड़क किनारे निर्मित सुरक्षा दीवार के क्षतिग्रस्त होने पर मार्ग की स्थिति का जायजा लेने जिलाधिकारी रुद्रप्रयाग विशाल मिश्रा ने मौके पर पहुंचकर स्थलीय निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने संबंधित विभागीय अधिकारियों से स्थिति की जानकारी लेते हुए मार्ग को सुरक्षित एवं सुचारू बनाए रखने के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने कहा कि केदारनाथ यात्रा मार्ग अत्यंत महत्वपूर्ण एवं संवेदनशील मार्ग है। जिला प्रशासन पूरी तरह अलर्ट मोड पर कार्य कर रहा है तथा यात्रियों की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है।

जिलाधिकारी ने बताया कि घटना की सूचना प्राप्त होते ही जिला प्रशासन द्वारा त्वरित कार्रवाई करते हुए मार्ग को आवागमन के लिए सुचारू किया गया। वर्तमान में यातायात नियंत्रित रूप से संचालित किया जा रहा है तथा सुरक्षा की दृष्टि से प्रभावित स्थल से एक समय में एक वाहन को ही पार कराया जा रहा है। उन्होंने बताया कि सड़क पर गिरे छोटे पत्थरों एवं मलबे को जेसीबी मशीनों की सहायता से तत्काल हटाया जा रहा है। वहीं, बड़े बोल्डरों को सुरक्षित ढंग से हटाने के लिए तकनीकी टीम को भी मौके पर बुला लिया गया है। उन्होंने कहा कि वर्तमान में किए जा रहे कार्य तात्कालिक व्यवस्था के तहत हैं, ताकि यात्रा मार्ग पर आवागमन बाधित न हो। जिलाधिकारी ने कहा कि भविष्य में इस प्रकार की घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकने के लिए दीर्घकालिक समाधान पर भी कार्य किया जाएगा।


**जयन्त**

**संस्थापक : नरेन्द्र उनियाल**

**स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक एवं सम्पादक नागेन्द्र उनियाल द्वारा प्रतिभा प्रेस बदरीनाथ मार्ग, कोटद्वार गढ़वाल (उत्तराखण्ड) से मुद्रित तथा बदरीनाथ मार्ग, कोटद्वार गढ़वाल (उत्तराखण्ड) से प्रकाशित।**

**सभी विवादों का न्याय क्षेत्र कोटद्वार, (गढ़वाल) उत्तराखण्ड होगा।**

CONT. 9412081969

PRGI NO. 35469/79



**उत्तर रेलवे**

**ई–नीलामी सूचना**

• **मुरादाबाद मंडल से शुरू होने वाली ट्रेनों के 10 एस.एल.आर** गाड़ी सं. 19610 (R-I), 12402 (R-I), 13038 (F-I), 15120 (F-I), 14314 (R-I), 13036 (F-I), 22918 (F-I), 19032 (F-I),14236 (F-I), 18478 (F-I) के पार्सल स्पेस को लीज पर 3 साल की अवधि के लिए देने हेतु ई–नीलामी के तहत दिनांक **13.08.26 (समय– प्रातः 11:00 बजे)** को बोली के माध्यम से आमंत्रित की जाएगी। इसके लिए विस्तृत नियम और शर्तें **www.ireps.gov.in** वेबसाइट पर ही उपलब्ध हैं।

**2624/2026**

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ


# लगातार वर्षा के बीच जिला प्रशासन अलर्ट

जयन्त प्रतिनिधि। रूद्रप्रयाग : जनपद में लगातार हो रही वर्षा को देखते हुए जिला प्रशासन पूरी तरह सतर्क है।

भारी वर्षा को देखते हुए प्रशासन ने विभिन्न विभागों की टीमें गठित कर दी हैं, जो नदियों, गाड़-गदेरों के बढ़ते जल स्तर तथा संवेदनशील क्षेत्रों पर लगातार निगरानी बनाए हुए हैं। जिलाधिकारी विशाल मिश्रा ने बताया कि लगातार बारिश के कारण जनपद की नदियों, गाड़-गदेरों और बरसाती नालों का जल स्तर तेजी से बढ़ रहा है। ऐसे में जनपदवासियों से विशेष सतर्कता बरतने की अपील की गई है। उन्होंने कहा कि लोग अनावश्यक रूप से नदियों और बरसाती नालों के किनारे जाने से बचें तथा नदी किनारे रहने वाले सुरक्षित स्थानों पर रहें।

जिलाधिकारी ने कहा कि जिला प्रशासन हर परिस्थिति पर लगातार नजर बनाए हुए है और किसी भी आपात स्थिति से निपटने के लिए सभी संबंधित विभागों को अलर्ट मोड पर रखा गया है। आपदा प्रबंधन, पुलिस, लोक निर्माण विभाग तथा अन्य संबंधित विभागों की टीमें आवश्यक संसाधनों के साथ तैनात हैं। उन्होंने कहा कि यदि कहीं भूस्खलन, मलबा आने या अन्य कारणों से सड़क अवरुद्ध होती है तो संबंधित विभागों की टीमें तत्काल मौके पर पहुंचकर मार्ग को सुचारु करने की कार्रवाई करेंगी। उन्होंने अपील की कि किसी भी प्रकार की समस्या की सूचना तत्काल जिला आपदा नियंत्रण कक्ष अथवा प्रशासन को दें।

जिलाधिकारी ने जनपदवासियों से मौसम विभाग द्वारा जारी चेतावनियों का पालन करने, अफवाहों पर ध्यान न देने तथा प्रशासन द्वारा जारी दिशा-निर्देशों का अनुपालन करने की अपील करते हुए कहा कि प्रशासन हर परिस्थिति में जनता की सुरक्षा के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है।


**उत्तर रेलवे**

**ई–प्रोक्योरमेंट सिस्टम के माध्यम से निविदा आमंत्रण**

पत्र सं.:50-S/LP/2026 — दिनांक 29.07.2026

भारत के राष्ट्रपति की ओर से वरिष्ठ मण्डल सामग्री प्रबंधक, उत्तर रेलवे मुरादाबाद–244001 द्वारा निविदाकर्ताओं से निम्नलिखित मद के लिए इलेक्ट्रोनिक निविदा प्रणाली के अन्तर्गत भंडार की आपूर्ति हेतु निविदा आमंत्रित की जाती है।

| क्र. सं. | निविदा सं. | माल का विवरण | मात्रा (मीटर में, नम्बर में) | अनुमानित मूल्य (रु. में) | निविदा खुलने की तिथि |
|---|---|---|---|---|---|
| 1. | GEM/2026/B/7761880 | ISI मार्क वाली LT XLPE इंसुलेटेड केबल (साइजः 4 कोर, 25 sq.mm) | 31,300 मीटर | 55,23,275.00 | 14.08.26 11:00 AM |
| 2. | GEM/2026/B/7811450 | ISI मार्क वाली LT XLPE इंसुलेटेड केबल, साइज 2x70 sq.mm | 57,920 मीटर | 1,08,63,190.40 | 18.08.26 11:00 AM |
| 3. | GEM/2026/B/7767548 | ISI मार्क वाली XLPE LT केबल (4 कोर X 185 sq.mm) | 11,150 मीटर | 87,21,085.00 | 20.08.26 11:00 AM |
| 4. | GEM/2026/B/7792037 | 500 KVA DG सेट | 05 नम्बर | 2,46,72.333.00 | 21.08.26 11:00 AM |

नोट :– पूर्ण विवरण एवं निविदा शर्तें वेब साइट **www.gem.gov.in** पर उपलब्ध है।

**2617/26**

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

# पिता इलेक्ट्रीशियन, आर्थिक तंगी में गुजरा बचपन

## अब कॉमनवेल्थ गेम्स में पूरा किया पिता का अधूरा सपना; ज्ञानेश्वरी यादव की कहानी

**नई दिल्ली।** एक प्रसिद्ध कहावत है, 'जिसमें कुछ करने का जुनून होता है वह किसी भी परिस्थिति में अपनी राह बना लेता है।' इसी कहावत को सच कर दिखाया है भारतीय वेटलिफ्टर ज्ञानेश्वरी यादव ने। परिवार की आर्थिक तंगी, संसाधनों की कमी, कोरोना जैसी महामारी और कई तमाम तरह की परेशानियों का सामना करते हुए ज्ञानेश्वरी यादव ने अपने सपने को साकार किया है। ज्ञानेश्वरी यादव ने सोमवार (27 जुलाई) को राष्ट्रमंडल खेलों में 53 किलोग्राम वर्ग में रजत पदक जीता और अपना नाम इतिहास के पन्नों पर अमर कर दिया।

ज्ञानेश्वरी यादव के पिता दीपक यादव बिजली मिस्त्री हैं, जिन्होंने कभी बॉडी बिल्डर बनने का सपना देखा था लेकिन परिवार की जिम्मेदारियों के बीच उनका सपना अधूरा रह गया। अपनी बेटी के जन्म के साथ ही दीपक ने यह निश्चय कर लिया था कि वह अपनी बेटी को एक स्पोर्ट्सपर्सन ही बनाएंगे। 13 साल की ज्ञानेश्वरी को उनके पिता दीपक ने पहली बार पॉवर लिफ्टिंग से परिचय कराया। ज्ञानेश्वरी के प्रतिभा को देखते हुए दीपक उनको वेटलिफ्टिंग कोच अजय लोहार विश्वकर्मा के पास ले गए, जो इस युवा खिलाड़ी की प्रतिभा को देखकर तुरंत प्रभावित हो गए।

**कम संसाधनों में की कड़ी मेहनत-** कोच लोहार ने द इंडियन एक्सप्रेस को बताया,'ड्राई लिफ्टिंग के पहले दिन ही उन्होंने 15 किलोग्राम के लकड़ी के तख्ते को आसानी से उठा लिया। मुझे उस एहसास हो गया कि वह एक अच्छी वेटलिफ्टर बनेंगी। उनमें संतुलन और शारीरिक ताकत शुरू से ही अच्छी थी। इसलिए उन्होंने खेल की बुनियाद को जल्दी सीख लिया। वेटलिफ्टिंग के सफर की शुरुआत के साथ ही ज्ञानेश्वरी को संसाधनों की कमी से जुझना पड़ा।

ज्ञानेश्वरी के पिता ने कहा, ज्ञानेश्वरी भीषण गर्मी में बिना पंखे वाले हॉल में अभ्यास किया करती थीं। ज्ञानेश्वरी यादव ने एक दिन के लिए भी अपने अभ्यास में कमी नहीं की। कोरोना महामारी के दौरान जब सब कुछ ठप हो चुका था, ऐसे समय में भी ज्ञानेश्वरी ने बिना संसाधनों के ही अपने अभ्यास को जारी रखा। छह महीने से अधिक तक जिम बंद रहने की वजह से ज्ञानेश्वरी ने घर को ही प्रशिक्षण स्थल बना लिया। पिता दीपक ने सीमेंट की पट्टियां बनाईं और गैस सिलेंडर का इंतजाम किया ताकि वह बिना किसी रुकावट के प्रशिक्षण कर सके।

ज्ञानेश्वरी यादव के पिता दीपक ने बताया, 'ज्ञानेश्वरी के जन्म के साथ ही मैंने और उसकी मां दुर्गा ने यह फैसला ले लिया था कि हम उसे खिलाड़ी बनाएंगे। जब उसने रजत पदक जीता तो मुझे खुद को पोडियम पर देखने का मौका मिला। वह 14 साल की उम्र में भी आसानी से बेंच प्रेस कर लिया करती थी। चाहे बारिश हो या गर्मी उसने अभ्यास कभी नहीं छोड़ा। जहां वह प्रशिक्षण करती थी वहां पंखा भी नहीं था।

**सीडब्ल्यूजी 2026**

# पहले ही प्रयास में 8.01 मीटर की जंप

**ग्लासगो ।** भारतीय लॉन्ग जंपर मुरली श्रीशंकर ने कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 में शानदार शुरुआत की है। उन्होंने सोमवार को पुरुषों की लॉन्ग जंप के क्वालिफिकेशन राउंड में 8.01 मीटर की छलांग लगाकर फाइनल के लिए क्वालीफाई किया। श्रीशंकर ने ऑटोमैटिक क्वालिफिकेशन मार्क को आसानी से पार कर लिया। क्वालीफाइंग 'ग्रुप-ए' में 27 वर्षीय एथलीट को फाइनल में सीधा प्रवेश पाने के लिए कम से कम 8.00 मीटर की छलांग लगाने की जरूरत थी। श्रीशंकर ने यह लक्ष्य केवल एक प्रयास में हासिल कर लिया, जिसके बाद उन्होंने अपना क्वालिफिकेशन राउंड समाप्त कर दिया और बुधवार को होने वाले मेडल इवेंट के लिए अपनी ऊर्जा बचाकर रखी। केरल के इस एथलीट ने अपने पहले प्रयास से ही 'ग्रुप-ए' में शीर्ष स्थान हासिल किया।

**श्रीशंकर मुरली ने हासिल किया फाइनल का टिकट**

# गुलवीर सिंह ने रचा इतिहास

## 10,000 मीटर दौड़ में सिल्वर मेडल जीतने वाले बने पहले भारतीय

**ग्लासगो।** ग्लासगो में चल रहे कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 (ष्ट्ब्ल्ल 2026) के छठे दिन भारत के स्टार धावक गुलवीर सिंह ने मंगलवार को इतिहास रच दिया। पुरुषों की 10,000 मीटर स्पर्धा में शानदार प्रदर्शन करते हुए गुलवीर ने रजत पदक (सिल्वर मेडल) अपने नाम किया। इसके साथ ही वह कॉमनवेल्थ गेम्स की इस स्पर्धा में पदक हासिल करने वाले भारत के पहले एथलीट बन गए हैं। 27 मिनट 49.78 सेकंड में पूरा किया ऐतिहासिक सफर 27 वर्षीय गुलवीर सिंह ने ट्रैक पर जबरदस्त रफ्तार और धैर्य का परिचय देते हुए 27 मिनट 49.78 सेकंड का समय निकाला और दूसरा स्थान हासिल किया।

**गोल्ड मेडल :** ऑस्ट्रेलिया के काई रॉबिन्सन ने स्वर्ण पदक पर कब्जा जमाया। **सिल्वर मेडल :** भारत के गुलवीर सिंह (27 :49.78) ने दूसरा स्थान प्राप्त किया। **कांस्य पदक :** डेविड मुलार्की ने कांस्य पदक अपने नाम किया। यह उपलब्धि इसलिए भी बेहद खास मानी जा रही है क्योंकि लंबी दूरी की दौड़ में पारंपरिक रूप से दबदबा रखने वाले कीनिया और युगांडा के दिग्गज धावक इस बार पोडियम (शीर्ष तीन) में जगह बनाने में नाकाम रहे।

# 'मेरे को नंगी कर के सड़क पर फेंक दिया था'

## कॉमनवेल्थ गेम्स में गोल्ड जीतने वाली एथलीट शर्मीला धनकड़ की प्रेरक कहानी

**नई दिल्ली।** ग्लासगो राष्ट्रमंडल खेलों में पहले 5 दिन के बाद भारत ने 10 पदक जीत लिए हैं। भारत की बेटियों ने स्कॉटलैंड में तिरंगे का मान बढ़ाया है। उसमें से कई खिलाड़ियों की कहानी ऐसी है जिसमें उन्होंने बेहद कठिनाइयों का सामना किया है। ऐसी ही प्रेरक कहानी है भारत के लिए पैरा एथलेटिक्स में इतिहास रचने वाली शर्मीला धनकड़ की। उन्होंने 40 साल की उम्र में गोला फेंक प्रतियोगिता में गोल्ड मेडल जीतते हुए अपना नाम इतिहास के पन्नों पर अमर कर दिया। आज इस स्वर्ग जैसी जिंदगी में नजर आ रहीं शर्मीला का जीवन 14 साल पहले किसी नर्क से कम नहीं था। उनके पहले पति ने उन पर इस कदर यातनाएं की थीं कि उन्हें बिना कपड़ों के सड़क पर बेटियों के साथ फेंक दिया था। ग्लासगो में सोमवार रात गोल्ड मेडल जीतने के बाद शर्मीला ने इंडियन एक्सप्रेस और अपनी 14 साल पहले की दर्द भरी कहानी को भी सबके सामने बताया। वहीं ड्ड्ड द्वारा आयोजित प्रेस ब्रीफिंग में जनसत्ता के सवालों का भी जवाब दिया और यह भी बताया कि दूसरे पति अजीत सिंह का उनकी जिंदगी में बेहद खास रोल रहा।

उन्होंने बताया कि 2012 में उनके नशेड़ी पति ने रेवाड़ी में उनको दो बेटियों के साथ निर्वस्त्र करके सड़क पर फेंक दिया था। यह मामला रेवाली के गुरकावास गांव का था। इसके बाद पड़ोसियों ने उन्हें कंबल और रजाई से लपेटा। फिर शर्मीला के माता-पिता जय लाल और सरोज उन्हें अपने महेंद्रगढ़ स्थित गांव छिथरौली ले गए। इस हादसे के 14 साल बाद अब भारत की इस बेटी ने ग्लासगो में गोल्ड मेडल जीता और अपनी मां व दूसरे पति अजीत सिंह को साथ सेलिब्रेट करने के लिए सबके सामने बुलाया।

### शर्मीला ने सुनाई दर्द भरी दास्तां

शर्मीला 2 साल की उम्र में ही एक पैर में पोलियो से पीड़ित हो गई थीं। उन्होंने गोल्ड मेडल जीतने के बाद अपनी आपबीती को बताया। उन्होंने कहा, 'मेरे को नंगी करके मेरी बेटियों के साथ सड़क पर फेंक दिया था मेरे पहले हस्बैंड (पति) ने। मेरे पड़ोसियों ने मुझे कंबल से लपेटा और फिर मेरे माता-पिता मुझे वहां से ले गए। मेरी 19 साल की उम्र में शादी कर दी गई थी। वह ड्रग्स लेता था और उसका आदि था। जब मेरी दूसरी बेटी पैदा हुई थी तब से चीजें खराब हो गई थीं।' वहीं शर्मीला की माता सरोज भी बचपन से नेत्रहीन हैं। उन्होंने कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 में बेटी की सफलता के बाद कहा, 'मेरी बेटी कक्षा 1 से कक्षा 10 तक टॉपर रही है। लेकिन हमारी आर्थिक स्थिति अच्छी नहीं थी तो हमने उसकी शादी कर दी। जब यह हुआ (पहले पति की बर्बरता) तो मैंने अपने पति से कहा कि उसे वापस ले आओ। यह गोल्ड मेडल शर्मीला के जज्बे का नतीजा है।'

**कॉमनवेल्थ गेम्स 2026**

# 34 गोल्ड के साथ टॉप पर ऑस्ट्रेलिया, 12 मेडल जीतकर नौवें स्थान पर भारत

**नई दिल्ली ।** कॉमनवेल्थ गेम्स (सीडब्ल्यूजी) 2026 में भारत का शानदार प्रदर्शन जारी है। मंगलवार को भारत की झोली में दो सिल्वर मेडल और आए, जबकि तीन मुक्केबाजों ने अपने मेडल पक्के कर लिए हैं। भारत की कुल मेडल की संख्या अब 12 हो चुकी है। हालांकि, मेडल टैली पर ऑस्ट्रेलिया का दबदबा लगातार बरकरार है। कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 में ऑस्ट्रेलिया अब तक कुल 78 मेडल अपने नाम कर चुका है। इसमें 34 गोल्ड, 17 सिल्वर और 27 ब्रॉन्ज मेडल शामिल हैं। ऑस्ट्रेलिया की टक्कर में इस समय कोई नहीं है। कनाडा मेडल टैली में 35 मेडल के साथ दूसरे स्थान पर है। कनाडा ने 13

गोल्ड, 10 सिल्वर और 12 ब्रॉन्ज मेडल हासिल किए हैं। इंग्लैंड मेडल टैली में तीसरे स्थान पर मौजूद है। इंग्लैंड ने अब तक कुल 43 मेडल जीते हैं, जिसमें 10 गोल्ड, 18 सिल्वर और 15 ब्रॉन्ज मेडल हैं। मेजबान स्कॉटलैंड फिलहाल चौथे स्थान पर है। स्कॉटलैंड की झोली में अब तक 15 मेडल आए हैं। इसमें 7 गोल्ड, 4 सिल्वर और 4 ब्रॉन्ज मेडल शामिल हैं। 6 गोल्ड और कुल 11 मेडल के साथ नाइजीरिया मेडल टैली में पांचवें स्थान पर बना हुआ है। वहीं, भारत टॉप 10 में बरकरार है। छठे दिन दो सिल्वर मेडल जीतने के बाद भारत 9वें स्थान पर काबिज है। भारत ने कुल 2 गोल्ड, 7 सिल्वर और 3 ब्रॉन्ज मेडल जीते हैं। मंगलवार को महिला वेटलिफ्टिंग में हरजिंदर कौर ने कुल 227 किलो का भार उठाते हुए सिल्वर मेडल जीता। उन्होंने स्नैच में 101 और क्लीन एंड जर्क राउंड में 126 किलो का भार उठाया। वहीं, गुलवीर सिंह ने पुरुषों की 10 हजार मीटर दौड़ को 27 :49.78 सेकंड में पूरा करते हुए सिल्वर मेडल अपने नाम किया। गुलवीर इस प्रतियोगिता में मेडल जीतने वाले पहले भारतीय खिलाड़ी बने। मुक्केबाजी में प्रीति, प्रिया और जादुमणि सिंह ने अपने क्वार्टर फाइनल मुकाबले जीतकर सेमीफाइनल में जगह बनाई। इन तीनों मुक्केबाजों ने भारत के लिए कम से कम ब्रॉन्ज मेडल पक्के कर दिए हैं।

# 5 ओवर में 5 विकेट और रन दिए 0

## पाकिस्तान पर कहर बरपा जस्टिन ग्रीव्स ने रचा इतिहास

**नई दिल्ली।** वेस्टइंडीज के ऑलराउंडर जस्टिन ग्रीव्स ने सोमवार को (27 जुलाई) को पाकिस्तान के खिलाफ इतिहास रच दिया। वह टेस्ट क्रिकेट में लगातार पांच विकेट मेडन करने वाले पहले गेंदबाज बन गए। ग्रीव्स ने पहली बार टेस्ट क्रिकेट में फाइव-विकेट हॉल लिया। उन्होंने 2016 में जोहान्सबर्ग में साउथ अफ्रीका के खिलाफ टेस्ट में इंग्लैंड के पूर्व तेज गेंदबाज स्टुअर्ट ब्रॉड के लगातार चार मेडन विकेट के रिकॉर्ड को तोड़ा। पाकिस्तान ने 38 रन पर 6 विकेट गंवा दिए। ग्रीव्स ने त्रिनिदाद में वेस्टइंडीज और पाकिस्तान के बीच पहले टेस्ट के तीसरे दिन लंच से

पहले और बाद के स्पेल में कहर बरपाया। पाकिस्तान पहली पारी में अच्छी बढ़त बनाने की राह पर था। एक समय उसका स्कोर 244/3 था। पूर्व कप्तान शान मसूद ने शतक पूरा किया।

### पाक 282 रन पर ऑल आउट

इसके बाद ग्रीव्स ने उन्हें आउट किया। फिर लगातार ओवरों में आमिर जमाल, अली उस्मान और मोहम्मद रिजवान को बिना कोई रन दिए आउट कर दिया। इससे पाकिस्तान का स्कोर लंच तक 267/8 हो गया। ग्रीव्स ने लंच के बाद अपने पहले ओवर में मोहम्मद अब्बास को विकेट के पीछे कैच कराया और लगातार पांच विकेट मेडन किए। इससे पाकिस्तान 282 रन पर ऑल आउट हो गया।

### इंडीज की दूसरी पारी लड़खड़ाई

वेस्टइंडीज की दूसरी पारी लड़खड़ा गई है। उसने 43 ओवर में 7 विकेट पर 126 रन बनाए हैं। उसके पास 155 रनों की बढ़त है। पाकिस्तान के लिए मोहम्मद अब्बास ने 14 रन देकर 3 विकेट झटके। केमार रोच 5 और शमार जोसेफ 13 गेंद पर 22 रन बनाकर नाबाद क्रीज पर। कैरेबियाई टीम के लिए दूसरी पारी में सबसे ज्यादा तेगनरायण चंद्रपाल ने 35 रन बनाए हैं। तीसरे दिन 14 विकेट गिरे।

# 188 विकेट और 2200 रन, कौन हैं सारांश जैन?

## वाशिंगटन की जगह श्रीलंका दौरे पर मिला मौका

**नई दिल्ली।** श्रीलंका दौरे पर 2 मैचों की टेस्ट सीरीज के लिए भारतीय टीम का मंगलवार(28 जुलाई) को ऐलान हो गया। वाशिंगटन सुंदर के चोटिल होने के कारण सारांश जैन को चुना गया है। मध्य प्रदेश के इस ऑलराउंडर का चयन चौंकाने वाला है क्योंकि उन्हें 33 साल की उम्र में मौका मिला है। भारतीय क्रिकेट में 30 साल के होने के बाद पहली बार चुने जाने वाले खिलाड़ियों की संख्या ज्यादा नहीं है।

घरेलू क्रिकेट में मध्य प्रदेश का प्रतिनिधित्व करने वाले सारांश को इंडिया ए के श्रीलंका दौरे पर अच्छे प्रदर्शन का फायदा मिला है। उन्होंने दूसरे अनाधिकारिक टेस्ट में गेंद और बल्ले से अच्छा प्रदर्शन किया था। उन्होंने 70 रन बनाने के अलावा छह विकेट लिए थे। सारांश जैन ने प्रथम श्रेणी क्रिकेट में 188 विकेट लिए हैं और दो शतक के साथ 2200 से ज्यादा रन बनाए हैं। श्रीलंका की टीम में काफी बाएं हाथ के बल्लेबाजों की मौजूदगी की वजह से चयनकर्ताओं ने भारतीय टीम में शामिल किया है।

### 360 रन और 35 विकेट

सारांश जैन ने उस सीजन में उन्होंने मध्य प्रदेश के लिए 360 रन बनाए और 35 विकेट लिए। इससे उन्हें इंग्लैंड लायंस के खिलाफ इंडिया ए की टीम में चुना गया, जहां उन्होंने एकमात्र खेले मैच की दोनों पारियों में हाफ-सेंचुरी बनाई। सारांश की खासियत है कि वह किसी भी मौके का पूरा फायदा उठाते हैं।

# टीम इंडिया के कोचिंग स्टाफ में दो बड़े बदलाव

## श्रीलंका दौरे पर नए कोच के साथ उतरेगी टीम

नई दिल्ली। भारतीय टीम 15 अगस्त से अब इंटरनेशनल क्रिकेट में अपना अगला मुकाबला खेलेगी। टीम इंडिया श्रीलंका का दौरा करेगी जिसमें दो मैचों की टेस्ट सीरीज खेली जाएगी। इस सीरीज में टीम इंडिया के कोचिंग स्टाफ से दो पूर्व सदस्यों का नाम हट जाएगा। बीसीसीआई सचिव देवजीत सैकिया ने यह अपने बयान में साफ कर दिया है कि असिस्टेंट कोच रियान टेन डशकाटे और फील्डिंग कोच टी दिलीप का कार्यकाल नहीं बढ़ेगा।

मंगलवार को पीटीआई से बात करते हुए भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड के सचिन देवजीत सैकिया ने यह बयान दिया है। उन्होंने यह भी कहा है कि आगामी श्रीलंका दौरे पर टीम इंडिया नए फील्डिंग कोच के साथ उतरेगी। वहीं कोचिंग स्टाफ में दो बदलाव होना तय है। उन्होंने कहा है कि श्रीलंका दौरे से पहले ही फील्डिंग कोच के नाम का ऐलान होगा। वहीं इसके लिए दो से तीन नामों पर चर्चा भी जारी है।

### क्या बोले देवजीत सैकिया?

सैकिया ने बताया, 'असिस्टेंट कोच रियान डसकाटे का दो साल का कॉन्ट्रैक्ट 10 जून को टीम इंडिया के साथ खत्म हो चुका है। फील्डिंग कोच टी दिलीप का पिछले साल एक साल के लिए कॉन्ट्रैक्ट बढ़ाया गया था।